RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-13 अंक: 77 ता. 13 सितम्बर 2024, शुक्रवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

पहला कॉलम

चुनाव से पहले 3 आतंकी ठिकाने मिले

पेड़ की जड़ में गड्ढा खोदकर रह रहे थे टेररिस्ट; 10 छोटे रॉकेट, 20 ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर । सेना ने जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव के 6 दिन पहले कुपवाड़ा, कुलगाम और पुलवामा जिले में गुरुवार को आतंकियों के 3 ठिकानों को खोज निकाला। कुपवाड़ा से भारी मात्रा में गोला-बारूद और विस्फोटक बरामद किया। वहीं, कुलगाम, पुलवामा में सिर्फ ठिकाने का पता चला। कुपवाड़ा के केरन सेक्टर में आतंकियों ने यह ठिकाना एक बड़े पेड़ की जड़ में गड्ढा खोदकर बनाया था। जड़ में 5 से 6 फीट जगह मिली। यहां से एके-47 के 100 से ज्यादा कारतूस, 20 हैंड ग्रेनेड और 10 छोटे रॉकेट मिले।

इलेक्शन ऑब्जर्वेजर से मिली थी जानकारी

इंटेलिजेंस इनपुट के आधार पर, सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने जॉइंट ऑपरेशन चलाया। सेना को यह खुफिया जानकारी जम्मू-कश्मीर में तैनात एक इलेक्शन ऑब्जर्वेजर से मिली थी। जम्मू-कश्मीर की 90 विधानसभा सीटों पर 3 फेज में 18 सितंबर, 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा।

हेलिकॉप्टर लूट ट्रक में लाद ले गए

मेरठ । यूपी के मेरठ में पहली बार हेलिकॉप्टर लूट का मामला सामने आया है। यहां पायलट रवींद्र सिंह ने मेरठ एसएसपी को तहरीर दी। आरोप लगाया कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर हवाई पट्टी पर जबरन 15-20 लोग घुस आए। उन्होंने मारपीट की। इसके बाद हेलिकॉप्टर के पुर्जे खोलने लगे। रवींद्र सिंह ने बताया कि दबंगों ने मुझे धमकाते हुए कहा कि शांत खड़े रहो, वरना तेरी दोनों टांगें काट दूंगा। इसके बाद हेलिकॉप्टर के पार्ट को अलग किया, ट्रक में भरा और लादकर ले गए। 16 टायर ट्रक राजस्थान नंबर का था।

उपद्रवियों ने स्वास्थ्य केंद्र में आग लगाई

इंफाल में तनाव के बीच सन्नाटा

इंफाल । मणिपुर के जिरीबाम जिला स्थित बोरोबेक्रा में उपद्रवियों ने बुधवार रात करीब 12.50 बजे एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में आग लगा दी। घटना पुलिस चौकी से महज 150 मीटर दूरी हुई। इसमें किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। घटना के पीछे कुकी समुदाय के लोगों के शामिल होने की आशंका है। दूसरी तरफ, राजधानी इंफाल में पूरे दिन सन्नाटा पसरा रहा। इंफाल ईस्ट और वेस्ट में कर्फ्यू जारी है। मैतेई बहुल 5 जिलों में इंटरनेट बंद है। राज्यपाल एल. आचार्य असम चले गए। उनके पास मणिपुर गवर्नर का अतिरिक्त प्रभार है। इंफाल में 10 सितंबर को सुरक्षाबलों और स्टूडेंट्स में हिंसक झड़प हुई थी। इसमें करीब 100 स्टूडेंट्स घायल हुए थे। इस प्रदर्शन में इंफाल घाटी के 100 से ज्यादा स्कूल-कॉलेजों के बच्चे शामिल थे। सीआरपीएफ डीआईजी का कहना है कि हालात तनावपूर्ण, लेकिन नियंत्रण में हैं।

कठुआ एनकाउंटर में बड़ा खुलासा.....आंतकियों के पास मिली एम4 कार्बाइन

श्रीनगर । जम्मू कश्मीर के कठुआ में पाकिस्तान की एक बड़ी साजिश सामने आई है। कठुआ एनकाउंटर को लेकर जम्मू कश्मीर पुलिस ने एक बहुत बड़ा खुलासा किया है। एनकाउंटर में मारे गए आतंकियों के पास से नाटो के हथियार बरामद हुए हैं। आतंकियों के पास से एम4 कार्बाइन बरामद हुई है। एम4 कार्बाइन का इस्तेमाल नाटो की सेना के द्वारा होता है। पिछले कई दिनों से देखा जा रहा है कि जम्मू कश्मीर में आतंकी वारदातें बढ़ गई हैं। सेना के काफिले पर हमला बढ़ता जा रहा है। अब जब एनकाउंटर में जैश के दो आतंकी मारे गए। उनके पास से जो दो हथियार बरामद हुए हैं, उस लेकर सबसे बड़ा खुलासा हुआ है।

एम4 कार्बाइन

एम4 कार्बाइन 1980 के दशक के दौरान अमेरिका में विकसित एक हल्की, गैस-संचालित, पत्रिका-संचालित कार्बाइन है। यह अमेरिकी सशस्त्र बलों का प्राथमिक पैदल सेना हथियार है। एम4 को नजदीकी लड़ाई के लिए डिजाइन किया गया है और यह बहुत ही कुशल है।

आर्मी ने 2 आतंकी ठोका

उधमपुर जिले के ऊपरी इलाकों में जारी मुठभेड़ में जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) संगठन से जुड़े दो आतंकवादी मारे गए। घने जंगल में आतंकवादियों के खिलाफ यह पहला सफल अभियान है, जहां पिछले छह महीनों में छह से अधिक मुठभेड़ हो चुकी हैं। गत 28 अप्रैल को मुठभेड़ में एक ग्राम रक्षा रक्षक और 19 अगस्त को एक सीआरपीएफ इंस्पेक्टर की जान चली गई थी।

शक्ति अभ्यास: दूसरे देशों के पायलटों ने उड़ाए हमारे विमान, दिखाए करतब

- रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने की तारीफ बोले-हमारी फोर्स दुनिया में नंबर वन

जोधपुर।

इंडियन एयर फोर्स की पहली मल्टीनेशनल एयर एक्सरसाइज तरंग शक्ति 2024 जोधपुर के एयरफोर्स स्टेशन पर देखने को मिली। वायुसेना की एयर एक्सरसाइज में भारत सहित आठ देश इसमें भाग ले रहे हैं, जबकि 20 अन्य देश इसे ऑब्जर्व कर रहे हैं। इंडियन एयर फोर्स के इस पहले बहुराष्ट्रीय तरंग शक्ति एक्सरसाइज में विदेशी वायु सेनाओं के चीफ भी शिरकत कर रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह तरंग शक्ति अभ्यास का निरीक्षण करने पहुंचे। इसके साथ ही रक्षा मंत्री ने 12 से 14 सितंबर तक चलने वाली डिफेंस एविएशन एक्सपो का भी उद्घाटन किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के नए संकल्प के साथ भारतीय रक्षा क्षेत्र तेजी से आगे बढ़ रहा है। सेंसर, रडार और क्षेत्र में भारत काफी हद तक आत्मनिर्भर हो गया है। आज के समय में जहां कई देश युद्ध लड़ रहे हैं वहीं भारत का लक्ष्य एकजुट रहकर एकसाथ आगे बढ़ना है। उन्होंने कहा कि दुनिया बदल रही है और नई चुनौतियां सामने आ रही हैं, ऐसे में हमें अपनी साझेदारी, सहयोग का दायरा बढ़ाना होगा। हमारी वायुसेना, और हमारा रक्षा क्षेत्र आत्मनिर्भर भारत के नए संकल्प के साथ तेजी से आगे बढ़ रहा है। आज हल्के लड़ाकू विमान, सेंसर, राडार और इलेक्ट्रॉनिक वारफेयर जैसी चीजों में हम बहुत हद तक आत्मनिर्भर हो चुके हैं और इन क्षेत्रों में लगातार आगे बढ़ने के लिए हम प्रयासरत हैं। तरंग शक्ति युद्धाभ्यास के दौरान गुरुवार को रक्षा मंत्री की मौजूदगी में वायुसेना ने हैरतअंगेज करतब दिखाए। भारत सहित आठ देशों के वायुसेना प्रमुखों ने एक-दूसरे के लड़ाकू विमान उड़ाए। यह नजारा देख रक्षा मंत्री ने खूब तारीफ की। उन्होंने कहा कि हमारी फोर्स दुनिया में नंबर वन है।

महाकुंभ 2025: अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुल 25 मेगा इवेंट, राष्ट्रपति मुर्मु और पीएम मोदी के कार्यक्रम

40 करोड़ के करीब श्रद्धालुओं के आने का अनुमान

प्रयागराज ।

महाकुंभ 2025 को वैश्विक स्वरूप देने के लिए तैयारी तेज हुई है। संगम नगरी में दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक जनसमागम में अंतरराष्ट्रीय स्तर के कुल 25 मेगा इवेंट होने है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर की छह इवेंट कंपनियां तय हो चुकी हैं। कंपनियों को आबद्ध करने के लिए टेंडर की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन मेगा इवेंट में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के एक और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दो कार्यक्रम शामिल हैं। राष्ट्रपति महाकुंभ के शुरू होने के बाद आएगी, जबकि प्रधानमंत्री शुरू तथा अंत में आएंगे। राष्ट्रपति भवन और पीएमओ से तिथि के लिए योगी शासन स्तर पर वार्ता शुरू हो गई है। वर्ष 2019 के दिव्य व भव्य कुंभ में भी प्रधानमंत्री मोदी दो बार आए थे। तत्कालीन राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद भी परिवार के साथ आए थे। वे रात में रुके भी थे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के महाकुंभ के दौरान तीन से चार कार्यक्रम तय हैं। पिछले कुंभ की ही तरह इस बार भी वे अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ महाकुंभ के अंत में गंगा नहाएंगे। अगले वर्ष 2025 में 13 जनवरी से शुरू होने वाले महाकुंभ की तैयारियां अब काफी तेज हो गई हैं। मेगा इवेंट के लिए बड़े स्तर प्लानिंग भी हो रही है। इन मेगा इवेंट के लिए सिर्फ तारीख ही निर्धारित की जानी है। महाकुंभ मेलाधिकारी विजय किरन आनंद ने कहा कि महाकुंभ के दौरान 25 मेगा इवेंट के लिए तेजी से तैयारी चल रही है। राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, विभिन्न प्रदेशों के राज्यपाल, उप्र के मुख्यमंत्री व उनकी कैबिनेट, अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों, केंद्रीय मंत्रियों के कार्यक्रमों की तैयारी भी है। कुल छह बड़ी इवेंट कंपनियों को आयोजनों के लिए काम दिया जा रहा है। 40 करोड़ के करीब श्रद्धालुओं के महाकुंभ में आने का अनुमान योगी सरकार लगा रही है। 34 हजार करोड़ रुपये महाकुंभ 2025 को लेकर हो रहा निवेश। इतना ही नहीं 06 हजार हेक्टेयर करीब क्षेत्रफल में बसाया जाएगा महाकुंभ मेला। 25 सेक्टर में होगा पूरा मेला क्षेत्र, 30 पांटून पुलों का निर्माण कराया जाएगा। 06 लाख वाहनों की क्षमता वाले 92 पार्किंग स्थल बनाए जाएंगे। 30 स्नान घाट बनाए जाएंगे गंगा किनारे, आठ किमी नदी में बैरीकेडिंग होगी। 1.5 लाख टायलेट्स और 26 हजार स्वच्छता कर्मचारी की तैनात होगी।

महाकुंभ के शाही स्नान पर्व

मकर संक्रांति-15 जनवरी 2025
मौनी अमावस्या -29 जनवरी 2025
वसंत पंचमी - 03 फरवरी 2025
महाकुंभ के प्रमुख स्नान पर्व
पौष पूर्णिमा -13 जनवरी 2025
अचला सप्तमी -04 फरवरी 2025
माघी पूर्णिमा -12 फरवरी 2025
महाशिवरात्रि -26 फरवरी 2025

मुख्य न्यायाधीश चंद्रचूड़ के घर मोदी के पहुंचने पर हंगामा बरपा

- 75 साल में पहली बार ऐसा हुआ

नई दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को मुख्य न्यायाधीश के घर पहुंचे। महाराष्ट्र की पारंपरिक वेशभूषा में विघ्नहर्ता भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं। अगले कुछ ही महीना में महाराष्ट्र में विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। आरती करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ट्विटर हैंडल मे फोटो शेयर की गईं है। इस फोटो के आने के बाद बड़ा विवाद शुरू हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने इस पर आपत्ति जताई है। इसके अलावा अन्य राजनीतिक दलों की भी तीव्र प्रतिक्रिया देखने को मिली है। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र एवं राज्य सरकारों के हजारों मामले लंबित हैं। 75 साल के इतिहास में पहली बार ऐसा हुआ है। जब प्रधानमंत्री मुख्य न्यायाधीश के घर गणेश पूजा के लिए पहुंचे। उन्होंने पूजा की फोटो सार्वजनिक की है। इसके बाद से न्यायपालिका और सरकार के बीच संबंधों को लेकर एक नया विवाद शुरू हो गया है। सोशल मीडिया और अन्य माध्यमों में इसको लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रिया हो रही है।

अखिलेश के कारण टूटा गठबंधन..... फोन उठाना बंद किया : मायावती

लखनऊ ।

बसपा सुप्रीमो और पूर्व सीएम मायावती ने सपा से गठबंधन टूटने को लेकर बड़ा खुलासा किया है। मायावती ने बताया कि अखिलेश यादव के कारण गठबंधन टूट गया है। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव 2019 में महज पांच सीटें मिलीं। इससे दुखी होकर अखिलेश ने उनका फोन भी उठाना बंद कर दिया था। मायावती ने इसका दावा अपनी बुकलेट में किया है। यह बुकलेट उपचुनाव और 2027 विधानसभा के लिए पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को बांटी जा रही है। मायावती ने कहा है कि 2019 लोकसभा चुनाव में सपा को पांच सीटें मिलीं। वहीं बसपा को 10 सीटें जीती थी। उन्होंने कहा कि यही बड़ी वजह बन थी कि जब सपा के वरिष्ठ नेताओं ने फोन उठाना बंद कर दिया था। इस बुकलेट में मायावती ने सपा के साथ दो बार हुए गठबंधन के टूटने की वजह भी जाहिर की है। दरअसल, पिछले दिनों लखनऊ में पार्टी की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बसपा सदस्यों को 59 पन्नों की बुकलेट वितरित की गई। इस बुकलेट में मायावती ने अपनी अपील में सपा के साथ गठबंधन को फिर से याद किया, जिसकी शुरुआत 1993 में हुई जब कांशीराम ने मुलायम सिंह यादव के साथ गठबंधन किया था। मायावती ने कहा है कि उस गठबंधन के टूटने वजह लखनऊ गेस्ट हाउस कांड था। मायावती की अपीलों और संदेश को लेकर राजनीति गलियारों में चर्चा है। कहा जा रहा है कि मायावती इस बुकलेट के जरिए 2027 के यूपी विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी को मजबूत करना चाह रही हैं। यह एक रणनीतिक कदम के रूप में देखा जा रहा है।

चार कार, दो करोड़ रुपए की अचल संपति की मालकिन हैं विनेश फोगाट

कांग्रेस प्रत्याशी ने जुलाना सीट से नामांकन भरा

चंडीगढ़ ।

हरियाणा विधानसभा चुनाव में कांग्रेस प्रत्याशी विनेश फोगाट ने जींद जिले की जुलाना सीट से नामांकन भर दिया है। विनेश ने नामांकन भरते वक्त अपने हलफनामे में अपनी संपत्ति का ब्यौरा दिया है। विनेश के पास तीन चार पहिया वाहन हैं। इनमें से एक का वह लोन भी चुका रही हैं। विनेश के पास 35 लाख रुपए की कीमत वाली वोल्वो एक्ससी 60, ह्यूंडई क्रेटा (12 लाख) और टोयोटा इनोवा (17 लाख) है। इसके अलावा एक स्कूटी भी है। फोगाट इनोवा गाड़ी का 13 लाख रुपए लोन चुकता कर रही हैं। विनेश के पास दो करोड़ रुपए की अचल संपति है, जिसमें सोनीपत में एक प्लॉट भी शामिल है। विनेश ने बताया कि उनके पति सोमवीर राठी के पास 19 लाख रुपए की महिंद्रा स्कॉर्पियो है। उनके पति की कमाई 3 लाख 44 हजार दिखाई गई है। इसके अलावा विनेश के पास ज्वेलरी, निवेश, कैश और बैंक जमा को मिलाकर कुल एक करोड़ 10 लाख रुपये हैं। चुनावी शपथ पत्र में विनेश के मुताबिक उनके पास 35 ग्राम गोल्ड है। बाजार में इसकी कीमत तकरीनब 2 लाख 24 हजार रुपये है। इसके अलावा उनके पास 50 ग्राम चांदी है, जिसकी बाजार में वैल्यू लगभग चार हजार रुपये है। नामांकन दाखिल करने के बाद जुलाना में जनसभा को संबोधित कर विनेश फोगाट ने कहा कि कुश्ती हमें सिखाती है कि दुश्मन को हल्के में नहीं लेना चाहिए। अपनी बहू से ज्यादा जुलाना के लोग मुझे अपनी बेटी मानते हैं। विनेश चरखी दादरी जिले के बलाली से हैं, लेकिन उनका ससुराल जुलाना में है। जुलाना में बख्ता खेड़ा गांव उनके पति सोमवीर राठी का पैतृक गांव है। पहलवानों के विरोध-प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए विनेश ने कहा कि उन्हें सड़कों पर संघर्ष करना पड़ा और लाठियां खानी पड़ीं।

माओवादियों की सेंट्रल कमेटी ने जारी किए देशभर के आंकड़े, लिखा-अब संगठन कमजोर हुआ

20 साल में 5249 नक्सली मरे, 3090 जवानों की हत्या

जगदलपुर ।

देशभर में साल 2004 से 2024 तक 5249 नक्सलियों की मौत हुई है। इनमें 1000 महिला माओवादी भी शामिल हैं। पुलिस के आक्रामक होने से नक्सली संगठन कमजोर हो गया है। नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने 25 पेज का बुकलेट जारी कर अपने 20 साल के नफा-नुकसान का जिक्र किया है।

नक्सलियों की केंद्रीय कमेटी ने कहा कि, बस्तर के बुरकापाल, टहकवाड़ा, झीरमघाटी, मीनपा समेत महाराष्ट्र, ओडिशा, झारखंड समेत कई राज्यों में छोटे बड़े कुल 4073 घटनाएं हुई। जिसमें कुल 3090 जवानों की हत्या और 4077 जवानों को घायल किया। जवानों के पास से 2365 आधुनिक हथियार और 1 लाख 19 हजार 682 कारतूस लूटा गया।

20 साल में 22 बड़े नक्सलियों की गई जान

20 सालों में उनके 22 बड़े नक्सलियों की जान गई है। इनमें 8 पोलित ब्यूरो मेंबर हैं। इसके अलावा 48 एसजेडसी, एससी सदस्य, 14 आरसी मेंबर, 167 डीवीसी सदस्य, 26 सब जोनल कमेटी सदस्य, 505 एसीएम और पीपीसी सदस्य, 887 पीएलजीए मेंबर और 3596 लड़ाके शामिल हैं। साल 2021 से 2024 के बीच 261 जवानों की हत्या की गई। 516 जवानों को जख्मी किया। 25 आधुनिक हथियार लूटे गए।

जवान घेराबंदी कर रहे, संगठन की बढ़ी परेशानी

नक्सलियों की इस बुकलेट के 14वें पेज में लिखा है कि, हमारे इलाके में 1500 से लेकर 3000 और कभी इससे भी ज्यादा जवानों को भेजा जाता है। जवान 20 से 25 गांवों को घेरते हैं। 12 से 15 किमी के दायरे को कैप्चर करते हैं। उन्होंने बताया कि, जवान कार्डन, सर्च और किल का नियम अपना कर काम कर रहे हैं। जिससे नक्सल संगठन को भारी नुकसान हो रहा है। पार्टी के काम में अड़चनें आ रही हैं। खतरा बढ़ गया है।

नक्सलियों ने माना मजबूती से नहीं कर पाए मुकाबला

नक्सलियों ने संगठन को हुए नुकसान की समीक्षा भी की है।

साल 2004 से 2011 तक नक्सल संगठन ने जितने हमले किए सभी में सफलता मिली। तब तक वे काफी हद तक मजबूत थे। नक्सलियों की समीक्षा में पुलिस आक्रामक हुई है।

जिससे उनके लाल लड़ाकों ने सरेंडर किया है। पुलिस के आक्रामक होने का मजबूती से मुकाबला न करने का जिक्र किया है। वहीं, 21 सितंबर से 20 अक्टूबर तक संगठन का 20वां स्थापना दिवस मनाने की बात कही है।

अयोध्या में चल रही है जमीन की लूट घसोट-अखिलेश यादव

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के मुखिया एवं उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि अयोध्या में भारतीय जनता पार्टी के नेता और अधिकारी जमीन की लूट घसोट कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेताओं ने अधिकारियों की मिलीभगत से अयोध्या को लूट का अड्डा बना दिया है। सेना की फायरिंग रेंज की जमीन को कौड़ियों के दाम में बेच दिया गया है। किसानों को डरा कर उनकी जमीन को औनेपौने दाम पर खरीदा गया है। सरकार के अधिकारी और भाजपा के लोग लूट में लग गए है और जहां लूट होगी वहां विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने गुरुवार को यहां पत्रकारों से बातचीत में कहा कि सपा के अयोध्या के नेताओं ने आज लूट का काला चिट्ठा खोला है। अब सोचिए जब राम की नगरी में लूट का यह हाल है तो पूरे प्रदेश में कितनी लूट हो रही होगी। राम मंदिर को लेकर उच्चतम न्यायालय के फैसले के बाद अयोध्या में भाजपा के नेताओं ने सस्ती दरों पर जमीने हथियानी शुरु कर दी और किसानों की सर्किल रेट को बढ़ाने की मांग की नजरअंदाज कर दिया और जब इन्होंने किसानों से सस्ते दामो में जमीनें ले ली, अब सर्किल रेट बढ़ा दिये गये हैं।

सपा अध्यक्ष ने कहा सरकार के नेताओं, और अधिकारियों की सूची और रजिस्ट्रियां हमारे पास है। इन्होंने सेना की जमीन पर कब्जा कर लिया, जिस डिफेंस की ओर कोई नहीं देखता, उस जमीनों को इन्होंने बेंच दिया। अपनी सुविधा के लिए रेलवे की लाइन बदल दी और उस जमीन को सरकारी अधिकारियों और भाजपा नेताओं ने हथिया लिया जबकि नयी रेल लाइन डालने के नाम पर कई घरों को खाली करने के नोटिस थमा दिये।÷ उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार पर ज़ीरो टॉलरेंस का नारा देने वालों ने गरीबों और किसानो को आवास विकास का डर दिखा कर उनसे सस्ते दामों में जमीने ले लीं मगर समाजवादी पार्टी गरीबो के साथ है। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि वे विकास के खिलाफ नहीं है। अयोध्या एक वर्ल्ड क्लास सिटी बने, इसके लिए वह हर सहयोग को तैयार हैं मगर विकास के लिये दिमाग का होना जरूरी है जो भाजपा के नेताओं के पास नहीं है। दो साल बाद जब समाजवादी सरकार आएगी तो न सिर्फ अयोध्या को विश्वस्तरीय पर्यटन नगरी बनायेंगे बल्कि गरीबों को सर्किल रेट बढाकर मुआवजा दिया जाएगा। सुल्तानपुर की घटना का जिक्र करते हुये उन्होने कहा कि पुलिस एनकाउंटर के नाम पर हत्यायें कर रही हैं।

मंगेश यादव एनकाउंटर केस में गांव वाले भी कहते है कि पुलिस रात में उठाकर ले गयी,उसके पास से जो मोटरसाइकिल मिली उसकी चोरी की रिपोर्ट घटना के कई दिन बाद लिखी गयी। मंगेश यादव के पास नया बैग मिला,उस बैग में नए कपड़े मिले। दरअसल यह एनकाउंटर नहीं बल्कि हत्या थी और यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले तमाम एनकाउंटर हुए जिनमें सबसे ज्यादा पीडीए परिवार के लोग मारे गए। उन्होने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पर तंज कसते हुये कहा कि जिसका दिल दिमाग नाकारात्मक हो उससे विकास की क्या उम्मीद कर सकते हैं। अगर दिमाग होता तो पुलिस चप्पल में एनकाउंटर न करती। ये सरकार लूट के साथ डर दिखाकर एनकाउंटर कर रही है। जो अधिकारी रात में हत्या की रणनीति बनाएं,उनसे न्याय की क्या उम्मीद की जा सकती है। हकीकत तो यह है कि भाजपा सरकार किसी की सगी नही है,उन्हें अपना स्वार्थ सिद्ध करना है। एक सवाल के जवाब में उन्होने जमीन की रजिस्ट्रियां दिखाते हुये कहा जब गरीब से जमीन ली जा रही थी, तब सर्किल रेट क्यो नहीं बढ़ाया गया।

इन जमीन रजिस्ट्री में सबकी फोटो लगी है, उनके परिवार के लोगो की फोटो लगी है,अब तय है इसके बाद मुख्यमंत्री कोई अलग सूची नही पढ़ पाएंगे। बहुजन समाज पार्टी की सुप्रीमों मायावती के गठबंधन तोड़ने के आरोप का जवाब देते हुये अखिलेश यादव ने कहा जिस दिन बीएसपी से गठबंधन टूटा दोनो दल के लोग आजमगढ़ में सार्वजनिक मंच पर थे मैं भी था किसी को नहीं पता था कि गठबंधन टूट गया। मैने खुद फोन कर पूछना चाहा था कि ऐसा क्यों किया.कभी कभी अपनी बात छुपाने के लिए कुछ बाते की जाती है।

संक्षिप्त समाचार

सीताराम येचुरी का निधन, निमोनिया की वजह से दिल्ली एम्स में थे भर्ती

नई दिल्ली । कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के महासचिव सीताराम येचुरी का 72 साल की उम्र में निधन हो गया। निमोनिया की शिकायत होने के बाद उन्हें 19 अगस्त को एम्स दिल्ली में भर्ती कराया गया था। 25 दिन से उनका इलाज चल रहा था।परिवार ने अस्पताल को सीपीआई(एम) नेता की बॉडी डोनेट की है। वे तीन बार पार्टी के महासचिव रहे थे। वहीं, सीपीआई(एम) की ओर से जारी एक बयान में कहा गया कि कॉमरेड सीताराम येचुरी को सांस की नली में गंभीर संक्रमण हुआ था। डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी।

देशभर के नेताओं ने येचुरी को श्रद्धांजलि दी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कहा कि सीताराम येचुरी मेरे अच्छे दोस्त थे। वे भारत के विचार के सच्चे रक्षक थे और देश को अच्छी तरह समझते थे। मैं उनके साथ की गई लंबी चर्चाओं को बहुत याद करूंगा। इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। सीएम ममता बनर्जी ने कहा कि येचुरी के निधन की खबर सुनकर बहुत दुख हुआ। वे एक अनुभवी सांसद थे और उनका जाना राष्ट्रीय राजनीति के लिए बड़ी क्षति है। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि येचुरी जी के निधन पर गहरा दुख हुआ। वह भारतीय राजनीति के एक दिग्गज नेता थे। वह मुद्दों की बारीक समझ रखने वाले और जमीनी स्तर पर लोगों से जुड़ाव के लिए जाने जाते थे। उनकी आत्मा को शांति मिले।

भागलपुर की बूह को गूगल ने दिया 60 लाख रुपये का पैकेज

भागलपुर । दुनिया की सबसे बड़ी सॉफ्टवेयर कंपनी गूगल ने भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल कार्यालय के प्रधान लिपिक राजीव नयन चौधरी की बहु अलंकृता साक्षी को सॉफ्टवेयर इंजीनियर के पद पर काम करने का मौका दिया है। अलंकृता नवगछिया के सिमरा गांव के शंकर मिश्रा की पुत्री हैं, जो फिलहाल झारखंड के कोडरमा में रह रहे हैं। अलंकृता के ससुर चौधरी ने बताया कि गूगल कंपनी में आने से पहले वह दो साल बेंगलुरु में विप्रो कंपनी में, एक साल अर्न्स्ट एंड यंग कंपनी में और एक साल सैमसंग हार्मन में काम कर चुकी हैं। यहीं से उनका चयन गूगल में हुआ। उन्होंने बताया कि मेरे बेटे मनीष कुमार की शादी 8 दिसंबर 2023 को है। बूह अलंकृता पिता कोडरमा में प्राइवेट नौकरी करते हैं और मां रेखा मिश्रा एक निजी स्कूल में शिक्षिका हैं। अलंकृता के ससुर ने बताया कि उनका बचपन झारखंड के कोडरमा में बीता और वहीं से उनकी पढ़ाई लिखाई हुई। अलंकृता दो बहनें और एक भाई है। अलंकृता के पति मनीष कुमार भी बेंगलुरु में एक सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते हैं। दोनों परिवारों को इस बात की अपार खुशी है कि गूगल जैसी विश्व प्रसिद्ध कंपनी से 60 लाख रुपये के पैकेज पर चयन कर काम करने का अवसर दिया है। यह अत्यंत गर्व और हर्ष की बात है। और उनके घर से गूगल कंपनी में काम कर रही है।

कोलकाता में प्रदर्शन के बीच मिला लावारिस बैग, फैली सनसनी

कोलकाता। महिला ट्रेनी डॉक्टर के साथ रेप और मर्डर को लेकर विरोध प्रदर्शन के बीच कोलकाता के आरजी कर अस्पताल के पास एक संदिग्ध बैग मिला, जिसमें बम होने की खबर से सनसनी फैल गई। घटनास्थल पर डॉग और बम निरोधक दस्ता पहुंच गया। वहीं उत्तर 24 परगना के भाटपारा नगर पालिका के वार्ड नंबर 12 में एक घर में कच्चे बम मिले हैं। भाटपाड़ा पुलिस मौके पर मौजूद है। बम निरोधक दस्ता बुलाया गया है। गौरतलब है कि 9 अगस्त को अस्पताल में प्रशिक्षु डॉक्टर के साथ रेप कर उसकी हत्या कर दी गई थी। बाद में महिला डाक्टर का शव सेमिनार हॉल में मिला था। अगले दिन अपराध के सिलसिले में एक नागरिक स्वयंसेवक को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद, कलकत्ता हाईकोर्ट ने मामले की जांच कोलकाता पुलिस से सीबीआई को स्थानांतरित करने का आदेश दिया था।

चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में संदिग्ध विस्फोट...पुलिस जांच में जुटी

चंडीगढ़ । पुलिस ने बताया कि बीती रात चंडीगढ़ के सेक्टर 10 में एक संदिग्ध कम तीव्रता वाला विस्फोट हुआ, जिसमें एक रिहायशी इलाके में खिड़कियां और फूलों के गमले क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, घटना की जांच हो रही है, फोरेंसिक टीमें घटनास्थल पर साक्ष्य एकत्र कर रही हैं। उन्होंने बताया कि विस्फोट के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने संदिग्धों के बारे में सूचना देने वाले को 2 लाख रुपये का इनाम देने की घोषणा की है। पुलिस के अनुसार, आरोपी व्यक्ति द्वारा इस्तेमाल हुआ ऑटो-रिक्शा जब्त कर लिया गया है। चंडीगढ़ एसएसपी कंवरदीप कौर के अनुसार, विस्फोट शाम 6 बजे के आसपास हुआ, जिससे रिहायशी इलाके में खिड़कियों और फूलों के गमलों को नुकसान पहुंचा।

निलंबित आईएएस पूजा खेडकर की बढ़ी मुश्किलें, हाईकोर्ट ने भेजा नोटिस

-यूपीएससी के लिए गलत बयान और हलफनामा देने का मामला

नई दिल्ली।

दिल्ली हाईकोर्ट ने यूपीएससी की याचिका पर पूजा खेडकर को नोटिस जारी किया, जिसमें दावा किया गया था कि उन्होंने गलत प्रस्तुतियां दी हैं। हाईकोर्ट ने गुरुवार को पूर्व परिवीक्षाधीन आईएएस प्रशिक्षु पूजा खेडकर से यूपीएससी की याचिका पर जवाब मांगा है, जिसमें उनके खिलाफ कोर्ट में गलत बयान और हलफनामा देने के लिए झूठी गवाही की कार्यवाही शुरू करने की मांग की गई है।

यूपीएससी ने तर्क दिया कि 31 जुलाई को पूजा खेडकर की उम्मीदवारी रद्द की गई थी, उसी दिन उन्हें उनके पंजीकृत ईमेल-आईडी पर सूचित किया गया था। इसने कहा कि यह वही ईमेल आईडी थी, जो सीएसपी 2022 के लिए उनके ऑनलाइन आवेदन में पंजीकृत थी। उन्होंने कोर्ट में झूठा बयान दिया कि उन्हें आदेश नहीं दिया गया है और उन्हें यूपीएससी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के जरिए से इसकी जानकारी मिली है, यह दावा किया गया।

यूपीएससी की और से वरिष्ठ अधिवक्ता नरेश कौशिक ने कहा कि पूजा खेडकर ने अपने वकीलों को भी गलत जानकारी दी और वह अच्छी तरह से जानती थी कि वह शपथ पर झूठा बयान दे रही है, फिर भी उसने जानबूझकर झूठे बयान की सत्यता की शपथ ली। वकील कौशिक ने दायर आवेदन में कहा कि अदालत से अनुकूल आदेश प्राप्त करने के उद्देश्य से शपथ पर गलत बयान देना एक बहुत ही गंभीर अपराध है, जो कानूनी व्यवस्था की नींव को कमजोर करता है।

इसमें दावा किया गया कि खेडकर का हलफनामा 28 जुलाई, 2024 का था, जब यूपीएससी द्वारा जारी 31 जुलाई का आदेश अस्तित्व में भी नहीं था। यूपीएससी ने अदालत से उचित कार्यवाही शुरू करने और झूठी गवाही देने के अपराध के लिए कानून के मुताबिक खेडकर के खिलाफ जांच का निर्देश देने का आग्रह किया है। खेडकर ने पहले यूपीएससी की प्रेस विज्ञप्ति को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था, जिसमें कहा गया था कि उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी गई है। एक अगस्त को यहां की एक ट्रायल कोर्ट ने उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि ये गंभीर आरोप हैं जिनकी गहन जांच की जरुरत है।

मीरवाइज की सुरक्षा में लगे लोग तय करें, मेरी तरफ से कोई रोक नहीं

-हुर्रियत नेता के घर से बाहर निकलने को लेकर एलजी सिन्हा ने कही यह बात

श्रीनगर।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में हुर्रियत नेता मीरवाइज उमर फारूक को बोलने और अपनी बात रखने की आजादी प्रशासन की तरफ से दी जाएगी? इसके जवाब में एलजी मनोज सिन्हा ने कहा कि मीरवाइज साहब पर कोई रोक नहीं है। अगर एजेंसियां सलाह देती हैं कि उनको खतरा है और उन्हें सार्वजनिक कार्यक्रमों में नहीं जाना चाहिए तो बात अलग है।

सिन्हा ने कहा कि मीरवाइज उमर फारूक इस कार्यक्रम में आ पाएंगे या नहीं, यह आपको उन्हें और उनकी सुरक्षा में लगे लोगों को तय करना है। मेरी तरफ से कोई रोक नहीं है। सिर्फ उन्हीं पर नहीं बल्कि किसी भी राजनीतिक या धार्मिक व्यक्ति पर कोई रोक नहीं है। हां उन लोगों पर जरूर बैन है जो भारत की एकता और अखंडता के लिए खतरा हैं। बता दें कि मीरवाइज उमर फारूक को धारा 370 के निरस्त होने से ठीक पहले उनके घर में नजरबंद कर दिया गया था। उन्हें केवल कुछ मौकों के लिए अपने घर से बाहर जाने की इजाजत मिलती रहती है।

रियल स्टेट और हेल्थ सेक्टर को लेकर पूछे गए सवाल पर एलजी सिन्हा ने कहा कि मैंने कभी नहीं कहा कि जम्मू-कश्मीर में रियल स्टेट सेक्टर में इन्वेस्टमेंट आ गया है। एक समिट हुई थी, जिसमें कानूनी पेचीदगियां थीं। अभी तक न्यूनतम इन्वेस्टमेंट आया था। श्रीनगर में तीन नए मेडिकल कॉलेज बन गए हैं। जम्मू में अपोलो और मेदांता में भी काम शुरू होने वाले है।

पिछले पांच साल में जम्मू-कश्मीर में बने मेडिकल कॉलेज और एम्स के बारे में उन्होंने कहा कि पांच लाख रुपए तक का इलाज के लिए सबको मिलता है, यह जम्मू-कश्मीर में ही संभव है।

राहुल गांधी ने अपने हाल के जम्मू-कश्मीर दौरे पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए कहा था कि एलजी को यहां का राजा बना दिया है। इस सवाल पर मनोज सिन्हा ने कहा कि जनता की राय ले लें, राहुल गांधी के दिमाग के दरवाजे खुल जाएंगे। सीक्रेट बैलट करा लें, अगर जम्मू-कश्मीर की 75 फीसदी से ज्यादा जनता ने ये नहीं कहा कि पिछले पांच साल में उनकी भलाई के लिए काम हुआ है तो मैं यहां से चला जाऊंगा। उन्होंने यह भी कहा कि न्यायालयों पर जो लोग सवाल उठा रहे हैं, ये ठीक नहीं है. कीचड़ में पत्थर गिरता है तो छींटे खुद पर ही आते हैं। लोगों को इस तरह की बातों से बचना चाहिए।

शराब घोटाला: आज आएगा केजरीवाल की जमानत याचिका पर फैसला

नई दिल्ली।

दिल्ली शराब घोटाला मामले में सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट शुक्रवार 13 सितंबर को फैसला सुनाएगा। सीबीआई मामले में जमानत याचिका के अलावा कोर्ट गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर भी कोर्ट फैसला सुनाएगा। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुईयां की बेंच यह फैसला सुनाएगी। बता दें कि दिल्ली शराब नीति घोटाला मामले में गिरफ्तार दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही फैसला सुरक्षित रख लिया था। तब सीबीआई और केजरीवाल ने अपनी-अपनी दलीलें रखीं थीं। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने जमानत याचिका पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। केजरीवाल को पहले ईडी ने गिरफ्तार किया था, लेकिन उस मामले में जमानत मिलने के बाद सीबीआई ने उन्हें जेल से ही गिरफ्तार कर लिया था। इस मामले पर जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने सुनवाई की थी। इस दौरान केजरीवाल की और से उनके वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने पैरवी की थी, जबकि सीबीआई की ओर से एडिशनल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू मौजूद थे।

इंजीनियर राशिद का जीतना....दिल्ली की सबसे बड़ी हार

पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने लगाया आरोप

नई दिल्ली ।

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव से पहले पीडीपी नेता इल्तिजा मुफ्ती ने केंद्र सरकार पर हमला कर कहा कि दिल्ली में जो सरकार बैठी है, वहां हमें अपनी जमीन, नौकरियों से बेदखल करने में जुटी है। नए कश्मीर से जुड़े सवाल पर इल्तिजा ने कहा, मेरे साथ कल बहुत सारे मीडियाकर्मी थे। आप यकीन नहीं मानगों की बहुत सारी औरतें होंगी जो कैमरा पर रोती हुई कहती हैं कि उन्हें पुलिस ले गई है और उन पर यूएपीए लगा दिया गया है। इल्तिजा ने माना है कि घाटी में दुकानें और स्कूल सामान्य रूप से खुलते हैं। बच्चे स्कूल पूरा कर रहे हैं लेकिन ये नॉर्मल्सी नहीं है। क्योंकि अगर लोगों के अंदर अगर दर्द नहीं होता तब इंजीनियर राशिद जो जीतते नहीं, उनकी जीत हुई, दिल्ली की सरकार की सबसे बड़ी हार हुई। इल्तिजा ने कहा उन्होंने 12 दिन पहले उत्तरी कश्मीर में अपना कैंडिडेट फाइल किया आपकों देखना होगा कि कितनी भीड़ थी। उन्हें अब बेल मिली, यह थोड़ा हैरान करने वाला है कि उन्हें अब क्यों बेल मिली। अपना कैंपेन करने के लिए उन्हें बेल क्यों नहीं मिली? ये लोगों के बीच चर्चा है कि इंजीनियर राशिद को अभी बेल क्यों मिली? बहुत अच्छा है कि उन्हें जमानत मिली है लेकिन मैं इतनी औरतों से मिलती हूं, उनके बेटे भी जेल में हैं, उनकी भी रिहाई होनी चाहिए। कश्मीर के असल मुददे क्या हैं? इसके जवाब में इल्तिजा ने कहा, यहां पर बात करने की आजादी नहीं है। जहां कभी आतंकवाद नहीं होता था, डोडा, राजौरी, पुंछ, जम्मू.. कितने हमारे शहीद हो रहे हैं। ये तो दुकान खुली का मतलब ये नहीं है कि सब चंगा है। जमात-ए-इस्लामी के चुनाव लड़ने पर इल्तिजा ने कहा, जमात अगर चुनाव लड़ना चाहती है तब क्या दिक्कत है। जमात कितना अच्छा काम करती है बच्चों को स्कूल में शिक्षा मुफ्त देती है। लेकिन उनके जो कैंडिडेट हैं, उनका अलग बैकग्राउंड है, आप देखिए वे किस पार्टी से आ रहे हैं।

400 साल पुरानी दीवार गिरी, 7 की मौत

5 मृतक एक ही परिवार के, दो रिश्तेदार

दतिया ।

दतिया में राजगढ़ किले के नीचे के हिस्से वाली 4 सौ साल पुरानी दीवार ढहने से 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक ही परिवार के 5 सदस्य शामिल हैं। बाकी दो लोग परिवार के मुखिया की बहन और बहनोई हैं। मलबे में 9 लोग दबे थे। पड़ोसियों ने 2 को सुरक्षित निकाल लिया था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सुबह करीब साढ़े 3 बजे तेज आवाज आई। लोग बाहर निकले तो देखा कि किले की दीवार गिर गई है। मलबे में दबे दो लोगों को तत्काल बाहर निकालकर हॉस्पिटल भेजा गया। पड़ोसियों ने पुलिस को सूचना दी। जिस पर करीब साढ़े 5 बजे कलेक्टर संदीप मकीन, एसपी वीरेंद्र कुमार मिश्रा, कोतवाली टीआई धीरेंद्र मिश्रा और एसडीईआरएफ की टीम मौके पर पहुंचे। हादसे के करीब 9 घंटे और करीब 7 घंटे चले रेस्क्यू ऑपरेशन में मलबे से 7 शव निकाले गए। कलेक्टर संदीप मकीन ने घटना पर दुख जताते हुए बताया कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मृतकों के परिजन को 4-4 लाख रुपए आर्थिक सहायता देने की घोषणा की है।

रेस्क्यू में लापरवाही के आरोप

लोगों ने रेस्क्यू की गति धीमी होने का आरोप लगाकर सुबह करीब 8 बजे हंगामा कर दिया। उनका कहना था कि मलबा हटाने में लापरवाही बरती जा रही है। पुलिस ने उन्हें शांत करवाया। हादसे में निरंजन वंशकार, उनकी पत्नी ममता, बेटी राधा, दो बेटे सूरज और शिवम समेत निरंजन की बहन प्रभा और बहनोई किशन पिता पन्ना लाल की मौत हो गई। किशन ग्वालियर का रहने वाला था और करीब 15 साल पहले ससुराल में ही बस गया था। हादसे में निरंजन के दूसरे बहनोई मुन्ना पिता खित्ते वंशकार और उनका बेटा आकाश घायल हुए हैं। दोनों के सिर और पैरों में चोट है। उन्हें इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

धर्मांतरण प्रकरण-मौलाना कलीम सिद्दीकी समेत 12 लोगों को उम्रकैद, चार को 10-10 साल की जेल

लखनऊ।

उत्तर प्रदेश के लखनऊ में एनआईए की विशेष अदालत ने अवैध धर्म परिवर्तन के मामले में दोषी करार दिए गए मोहम्मद उमर गौतम और मौलाना कलीम सिद्दीकी समेत 12 लोगों को बुधवार को उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामले के चार अन्य दोषियों को 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाई गई है। कोर्ट ने सभी को मंगलवार को दोषी करार दिया था और उसके बाद सजा का ऐलान किया है। कोर्ट के आदेश के मुताबिक, स्पेशल जज विवेकानंद शरण त्रिपाठी ने मोहम्मद उमर गौतम, मौलाना कलीम सिद्दीकी, इरफान शेख, सलाउद्दीन जैनुद्दीन शेख, प्रकाश रामेश्वर कावड़े उर्फ आदम, भुप्रिय बन्दो उर्फ अर्सलान मुस्तफा, कौशर आलम, फराज वाबुल्लाशाह, धीरज गोविंद राव जगताप, सरफराज अली जाफरी, काजी जहांगीर और अब्दुल्ला उमर को भारतीय दंड संहिता की धारा 121 ए (राष्ट्रद्रोह) के तहत आजीवन कारावास और 10-10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी।

आदेश के मुताबिक, मामले में बाकी चार अभियुक्तों मोहम्मद सलीम, राहुल भोला, मन्नू यादव तथा कुणाल अशोक चौधरी को 'उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन (प्रतिषेध) अधिनियम' की धारा-पांच के तहत 10-10 वर्ष की कैद और 50-50 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनायी गयी। उप निरीक्षक विनोद कुमार ने 20 जून 2021 को इस मामले में लखनऊ के एटीएस थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। इन सभी आरोपियों पर तत्कालीन भारतीय दंड संहिता की धारा 417, 120 बी, 121ए, 123, 153ए, 153बी, 295ए और 298 के साथ ही उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम 2021 की धारा 3/5/8 के तहत आरोप लगाए गए थे।

विशेष लोक अभियोजक एमके सिंह के मुताबिक, उमर गौतम और मामले के अन्य अभियुक्त एक साजिश के तहत धार्मिक उन्माद, वैमनस्य और नफरत फैलाकर देशभर में अवैध धर्मांतरण का गिरोह चला रहे थे। उनके तार दूसरे देशों से भी जुड़े हैं। सिंह ने बताया कि इसके लिए आरोपी हवाला के जरिए विदेशों से धन भेजे जाने के मामले में भी लिप्त थे। वे आर्थिक रूप से कमजोर महिलाओं और दिव्यांगों को लालच देकर और उन पर अनुचित दबाव बनाकर बड़े पैमाने पर उनका धर्म परिवर्तन करा रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, मोहम्मद उमर गौतम को मुफ्ती काजी जहांगीर आलम कासमी के साथ 20 जून 2021 को दिल्ली के जामिया नगर से गिरफ्तार किया गया था। पुलिस ने बताया कि वे एक संगठन का संचालन कर रहे थे जो उत्तर प्रदेश में मूक- बधिर छात्रों और गरीब लोगों को इस्लाम में धर्मांतरित कराने में शामिल था और इस बात की आशंका है कि इसके लिए उन्हें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई से धन मिलता था।

तिब्बती नागरिक दिल्ली से गिरफ्तार..... फर्जी तरीके से बनवाया भारतीय पासपोर्ट

लखनऊ ।

एसटीएफ गौतमबुद्ध नगर की टीम ने फर्जी दस्तावेज के द्वारा भारतीय पासपोर्ट बनवाकर साइबर फॉड करने वाले एक तिब्बती नागरिक को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी भारत में अपना नाम बदलकर रह रहा था। आरोपी के भारतीय पासपोर्ट के जरिए विदेशों में आता जाता था। वहां साइबर अपराधियों के साथ मिलकर करोड़ों की साइबर ठगी भी कर चुका है। तिब्बती नागरिक ने फर्जी कागजों का इस्तेमाल कर भारतीय नाम चंद्रा ठाकुर रखा और इसी नाम से पासपोर्ट भी बनवाया था। एसटीएफ अधिकारियों के अनुसार 11 सितंबर को एसटीएफ ने आरोपी छीन्जों थारचिंन उर्फ चंद्रा ठाकुर उर्फ तंजीम को द्वारका में उसके फ्लैट से गिरफ्तार किया है।

एसटीएफ के मुताबिक, आरोपी के पास से पासपोर्ट, एक फर्जी वोटर आईडी कार्ड, एक पैन कार्ड, एक आधार कार्ड, दो एटीएम कार्ड, एक कंबोडिया का सिम कार्ड, दो मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एसटीएफ टीम ने बताया है कि कुछ दिनों से एसटीएफ को विदेशी नागरिकों द्वारा फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय नागरिकता के दस्तावेज तैयार कर पासपोर्ट आदि बनाने की सूचनाएं प्राप्त हो रही थीं। आरोपी ठाकुर के तिब्बती नागरिक होने की पहचान को छिपाते हुए पश्चिमी बंगाल से फर्जी दस्तावेज तैयार करके फर्जी पासपोर्ट बनाने के साक्ष्य भी एसटीएफ के हाथ लगे। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया। एसटीएफ के मुताबिक, वह 14 साल की उम्र में भागकर तिब्बत आ गया। जहां से वहां 50-60 लोगों के ग्रुप के साथ नेपाल आया और करीब 3 माह काठमांडू के रिफ्यूजी सेंटर में रहा। वहां से दिल्ली के बुद्ध विहार रिफ्यूजी सेंटर आया। करीब एक माह बाद आरोपी हिमाचल प्रदेश के एक स्कूल में पढ़ाई शुरू की और करीब 3 वर्ष पढ़ाई करने के बाद दिल्ली भाग आया था।

संक्षिप्त समाचार

ऑस्ट्रेलिया : सिडनी में एक घर में मृत मिले दो बच्चे, महिला अस्पताल में भर्ती

सिडनी , एजेंसी। सिडनी के पश्चिम में एक घर में मंगलवार को दो बच्चों के शव पाए गए। वहीं, एक महिला को पुलिस सुरक्षा में अस्पताल में भर्ती कराया गया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ऑस्ट्रेलियाई राज्य न्यू साउथ वेल्स (एनएसडब्ल्यू) की पुलिस ने कहा कि अधिकारियों को एक महिला और दो बच्चों से जुड़ी सूचना मिली थी। पुलिस को स्थानीय समयानुसार दोपहर 12 :40 बजे फाल्कन ब्रिज के एक घर में बुलाया गया था। यह ब्लू माउंटेंस क्षेत्र में सिडनी के केंद्रीय व्यापारिक जिले से लगभग 77 किलोमीटर पश्चिम में है। घटनास्थल पर पहुंची टीम ने घर में प्रवेश किया। इस दौरान दो बच्चों के शव मिले। एक की उम्र 9 और दूसरे की उम्र 11 साल बताई गई। वहीं, एक महिला को गंभीर हालत में अस्पताल में दाखिल कराया गया। एनएसडब्ल्यू पुलिस ने बयान में कहा कि क्षेत्र के अधिकारी और राज्य अपराध शाखा की टीम मामले की जांच कर रही है। बयान में कहा गया कि लोगों के लिए किसी तरह का खतरा नहीं है। पुलिस इस घटना से जुड़े हर पहलू की जांच कर रही है। आखिर यह घटना क्यों हुई और बच्चों की मौत के क्या कारण हैं, इसकी जांच भी की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया में बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर लगेगा प्रतिबंध

कैनबरा , एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मंगलवार को बच्चों के सोशल मीडिया के इस्तेमाल पर प्रतिबंध लगाने की योजना की घोषणा की। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, प्रधानमंत्री ने कहा कि सरकार 2024 में सोशल मीडिया और अन्य संबंधित डिजिटल प्लेटफार्मों तक पहुंच के लिए न्यूनतम आयु लागू करने का कानून पेश करेगी। प्रधानमंत्री ने एक बयान में कहा, हम जानते हैं कि सोशल मीडिया सामाजिक नुकसान पहुंचा रहा है। यह बच्चों को असली दोस्तों और असली अनुभवों से दूर कर रहा है। इस कानून को राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ विचार-विमर्श के बाद तैयार किया जाएगा, लेकिन उनकी प्राथमिकता न्यूनतम आयु 16 वर्ष निर्धारित करने की है। अगस्त में ऑस्ट्रेलियाई ब्रॉडकास्टिंग कॉर्पोरेशन के एक सर्वे के अनुसार, 61 प्रतिशत ऑस्ट्रेलियाई लोगों ने 17 साल से कम आयु के लोगों तक सोशल मीडिया की पहुंच को प्रतिबंधित करने का समर्थन किया। दक्षिण ऑस्ट्रेलिया के प्रीमियर पीटर मालिनौस्कास ने पूर्व संघीय न्यायाधीश रॉबर्ट फ्रेंच को 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से प्रतिबंधित करने के लिए कानूनी रास्ते तलाशने का काम सौंपा। प्रधानमंत्री ने कहा कि संघीय सरकार कानून का मसौदा तैयार करते समय रॉबर्ट फ्रेंच की समीक्षा पर विचार करेगी।

कनाडा ने इजरायल के लिए 30 हथियार बिक्री परमिट निलंबित किए

ओटावा , एजेंसी। कनाडा ने इजरायल को हथियार बिक्री के लिए लगभग 30 मौजूदा परमिट निलंबित कर दिए हैं। स्थानीय मीडिया ने कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मंत्री मेलानी जोली ने मंगलवार को कहा कि ओटावा की नीति के अनुसार कनाडा निर्मित हथियारों और उनके कलपुर्जों का उपयोग गाजा पट्टी में नहीं किया जा सकता है। चाहे हथियारों को इजरायल में किसी भी तरह भेजा जाए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने स्थानीय मीडिया के हवाले से बताया कि जनवरी में ओटावा ने इजरायल के लिए नए हथियार परमिट को मंजूरी देना बंद कर दिया था, हालांकि पिछले महीनों में स्वीकृत परमिट अभी भी सक्रिय थे। विदेश मंत्री के हवाले से कहा गया है कि हम किसी भी प्रकार का हथियार या उसके पार्ट्स गाजा नहीं भेजेंगे। उन्हें कैसे और कहां भेजा जा रहा है, यह अप्रासंगिक है। रिपोर्टों के अनुसार, कनाडा अमेरिकी सरकार के साथ हुए उस अनुबंध को भी रोक रहा है जिसके तहत इजरायली रक्षा बलों को क्यूबेक में निर्मित गोला-बारूद भेजा जाना था, जिसकी घोषणा वाशिंगटन ने कुछ सप्ताह पहले की थी।

बृहस्पति के चंद्रमा का अध्ययन करेगा नासा अंतरिक्ष यान

वाशिंगटन, एजेंसी। नासा ने अंतरिक्ष यान की तीव्र विकिरण झेलने की क्षमता की समीक्षा के बाद बृहस्पति के चंद्रमा 'यूरोपा' पर अगले माह प्रक्षेपण को मंजूरी दे दी गई?है। यह मिशन बताएगा कि यूरोपा की बर्फीली परत के नीचे का संदिग्ध महासागर जीवन के लिए उपयुक्त हो सकता है या नहीं। इसे स्पेस-एक्स फाल्कन हेवी रॉकेट पर 10 अक्तूबर को प्रक्षेपित किया जाना निर्धारित किया गया है। नासा के पास लॉन्चिंग के लिए तीन सप्ताह का समय है।

गूगल हारा 2.4 अरब यूरो के जुर्माने की अपील

वाशिंगटन, एजेंसी। गूगल ने खोज परिणामों में प्रतिद्वंद्वियों पर अपनी खरीदारी अनुशंसाओं को अवैध लाभ देने के लिए ईयू के जुर्माने के विरुद्ध अपनी अंतिम कानूनी चुनौती खो दी है। इससे लंबे समय से चल रहा अविश्वास का भारी जुर्माने के साथ चल रहा मामला खत्म हो गया है। यूरोपीय संघ की अदालत ने निचली अदालत के फैसले को जारी रखा और यूरोपीय आयोग के 2.4 अरब यूरो (2.7 अरब डॉलर) के जुर्माने के खिलाफ कंपनी की अपील खारिज कर दी। गूगल ने कहा, हम न्यायालय के फैसले से निराश हैं।

प्रेसिडेंशियल डिबेट : कमला हैरिस पर जमकर बरसे ट्रंप, कहा- आपके पिता मार्क्सवादी..; उपराष्ट्रपति ने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला

गर्भपात के अधिकार वाले मुद्दे पर भिड़े ट्रंप-हैरिस, दोनों के बीच जमकर हुई जुबानी जंग

वॉशिंगटन , एजेंसी। दुनिया के तमाम देशों को अमेरिका में होने वाले राष्ट्रपति चुनाव का बेसब्री से इंतजार है। वहीं, आज राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और कमला हैरिस के बीच पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। इस डिबेट की शुरुआत में हैरिस और ट्रंप ने एक-दूसरे से हाथ मिलाया। फिर उपराष्ट्रपति ने एक-एक कर ट्रंप पर इकोनॉमी और गर्भपात नीति समेत कई मुद्दों पर घेरने की कोशिश की। वहीं पूर्व राष्ट्रपति ने कमला और उनके माता-पिता को मार्क्सवादी करार दिया। हालांकि, इस दौरान हैरिस अपने आपको शांत करने के लिए लगातार मुस्कुरा रही थीं, जबकि ट्रंप भी संतुलन व्यवहार बनाए रखने का प्रयास कर रहे थे।

पहले आए शांति से, फिर बरसे... बहस के दौरान पूरा माहौल विवाद और आरोपों से भर गया। पहले दावा किया गया कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बड़े ही शांत व्यवहार के साथ आए हैं। हालांकि जैसे ही ट्रंप बहस के मंच पर आए वैसे ही उन्होंने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर हमला करना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, ट्रंप ने कमला हैरिस के माता-पिता तक को भी नहीं बख्शा। उन्होंने भारतवंशी नेता को मार्क्सवादी बताया। उसके बाद उनके पिता को भी मार्क्सवादी प्रोफेसर बता दिया।

हैरिस ने नहीं दिया सीधे जवाब हालांकि, उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने ट्रंप की तीखी टिप्पणियों का सीधे तौर पर जवाब नहीं दिया। मगर, उन्होंने कोविड-19 महामारी के दौरान चीनी नेता शी जिनपिंग को धन्यवाद देने वाले ट्वीट के लिए ट्रंप की आलोचना करके पलटवार किया। हैरिस ने बहस के दौरान महामारी से जुड़ी उच्च बेरोजगारी दरों के लिए भी ट्रंप को जिम्मेदार ठहराया।

ट्रंप कभी अपनी बात पर नहीं टिके: डकवर्थ : इलिनोइस की सीनेटर टैमी डकवर्थ ने ट्रंप की तीखी आलोचना करते हुए कहा कि वह कभी भी अपनी बात पर नहीं टिके हैं। वह बार-बार अपनी बात से मुकरते रहे। जबकि कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने उन्हें उबाऊ करार दिया है। डकवर्थ ने हाल ही में आर्लिंगटन विवाद का जिक्र करते हुए कहा कि ट्रंप सेना के परिवारों का अपमान करते रहते हैं। उन्होंने गोल्ड स्टार परिवारों का अपमान किया है।

उन्होंने आगे कहा, फिर भी वह हमारी सेना का कमांडर इन चीफ बनना चाहते हैं। उन्हें हमारे योद्धाओं का कोई सम्मान नहीं है। उसे हमारे दिग्गजों का कोई सम्मान नहीं है, वह अर्लिंग्टन की पवित्र जगह का इस्तेमाल चुनाव प्रचार के लिए करते हैं। इस इंसान ने गिरने का कोई स्तर नहीं छोड़ा। यह पांच बार अपनी बात से मुकर चुके हैं।

पूर्व राष्ट्रपति के भाषण उबाऊ: न्यूसम : कैलिफोर्निया के गवर्नर गैविन न्यूसम ने कमला हैरिस को अपना समर्थन दिया। साथ ही डोनाल्ड ट्रंप पर चुटकी लेते हुए कहा कि वह उबाऊ हैं। उन्होंने कहा कि कुछ साल पहले ट्रंप अपनी रैलियों में कुछ मनोरंजन लाते थे। अब, वह हर तरफ से नीरस हो गए हैं और यहां तक कि उनके दर्शकों को भी उनके भाषणों से ज्यादा खुद में अधिक दिलचस्पी है। डिबेट के दौरान ट्रम्प ने कहा कि वे राष्ट्रपति चुनाव जीतने के 24 घंटे के अंदर रूस-यूक्रेन जंग रुकवा देंगे। इस पर जवाब देते हुए कमला हैरिस ने कहा कि अगर आप राष्ट्रपति होते तो पुतिन इस वक्त कीव में बैठे होते और लंच में आपको खा रहे होते। डिबेट में कमला हैरिस 37 मिनट 36 सेकेंड तक बोलीं, जबकि ट्रम्प ने उनसे 5 मिनट ज्यादा लिए। उन्होंने 42 मिनट 52 सेकेंड तक अपनी बात रखी। डिबेट खत्म होने के बाद दोनों नेता बिना हाथ मिलाए वहां से लौट गए। ट्रम्प और कमला के बीच पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट ट्रम्प और कमला के बीच इस चुनाव में यह पहली और आखिरी डिबेट थी। कमला ने पहली बार राष्ट्रपति चुनाव की बहस में हिस्सा लिया, जबकि ट्रम्प 2016-24 तक 5 बार डिबेट में हिस्सा ले चुके हैं। इस चुनाव में 27 जून को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट ट्रम्प और बाइडेन के बीच हुई थी। बाइडेन हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दी थी। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया था। मैं गर्भपात को बैन नहीं करूंगा- ट्रंप कमला हैरिस के इस दावे पर डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि मैं गर्भपात को प्रतिबंधित नहीं करूंगा, इस मुद्दे पर देश 52 साल तक बंटा रहा है, अमेरिका के सभी राज्य गर्भपात पर अब खुद फैसले ले रहे हैं। इस लिए मुझे इस बिल पर वीटो की जरूरत नहीं होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि गर्भपात के अधिकार को खत्म करने वाले सुप्रीम कोर्ट के फैसले ने इस मुद्दे को राज्यों को वापस दे दिया है. उन्होंने कहा, मैं गर्भपात बैन पर साइन नहीं कर रहा हूं, उन्होंने आगे कहा कि राष्ट्रीय गर्भपात प्रतिबंध की जरुरत नहीं है।

इजरायल ने हमास के ठिकानों पर की एयर स्ट्राइक, तीन आतंकियों की मौत

यरूशलम , एजेंसी। इजरायल ने एक बार फिर हमास के ठिकानों को निशाना बनाया है। इस हमले में हमास के तीन आतंकी मारे गए हैं। इजरायली सेना ने एक बयान में कहा कि उसने दक्षिणी गाजा में एक हमला किया, जिसमें तीन आतंकियों की मौत हुई है। गाजा स्थित स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल ने खान यूनिस के मावासी इलाके में विस्थापित फिलिस्तीनियों के एक शिविर को निशाना बनाया, जिसमें कम से कम 19 लोगों की मौत हो गई। कई लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। इन हमलों से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं, जिसमें दर्जनों टेंट आग की चपेट में दिखाई दे रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इजरायली सेना ने मंगलवार को एक बयान में पुष्टि की है कि उसने उन स्थानों पर एयर स्ट्राइक की है, जो हमास के नियंत्रण में थे। ये हमले खुफिया जानकारी के आधार पर किए गए। इजरायली सेना के अनुसार, इन हमलों में गाजा पट्टी में हमास की हवाई इकाई के प्रमुख समीर इस्माइल खादर अबू दक्का, हमास के सैन्य खुफिया मुख्यालय में निगरानी और लक्ष्य विभाग के प्रमुख ओसामा ताबेश और हमास के एक वरिष्ठ आतंकवादी अयमान की मौत हो गई है। सेना ने कहा कि तीनों आतंकवादी 7 अक्टूबर 2023 को दक्षिणी इजरायल पर हुए हमास के हमले में शामिल थे। वह हाल ही में इजरायल रक्षा बलों और इजरायल के खिलाफ आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने की योजना बना रहे थे। इसके अलावा इजरायली सेना ने मध्य गाजा में बुरेज शरणार्थी शिविर में अल-फारूक मस्जिद पर हमला किया। सेना ने कहा कि हमले का उद्देश्य मस्जिद के भीतर स्थित एक और हमास कमांड और नियंत्रण केंद्र को नष्ट करना था।

जर्मनी के विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन से मिले जयशंकर, द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की

बर्लिन, एजेंसी। केंद्रीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर जर्मनी के तीन दिवसीयदौरे पर हैं। उन्होंने जर्मन सांसद की विदेश मामलों की समिति के चेयरमैन माइकल रोथ से मुलाकात की। दोनों के बीच मौजूदा वैश्विक चुनौतियों और नए द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। जयशंकर सऊदी अरब से जर्मनी पहुंचे। जर्मन सांसद से बातचीत को लेकर जयशंकर ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी।

केंद्रीय विदेश मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा, माइकल रोथ से मिलकर खुशी हुई। हमने भारत-जर्मनी के बीच मौजूदा वैश्विक चुनौतियों और नए द्विपक्षीय सहयोग की संभावनाओं पर बात की। उन्होंने मंगलवार को बर्लिन में आयोजित म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में विदेशी मामलों और सुरक्षा विशेषज्ञों के साथ बातचीत भी की।

जयशंकर ने बताया कि इस सम्मेलन में भारत और जर्मनी के बीच रणनीतिक समानता पर विचारों का आदान प्रदान किया गया। उन्होंने संसद के सदस्यों से भी मुलाकात की। इससे पहले जयशंकर ने अपने जर्मन समकक्ष एनालेना बेयरबॉक के साथ व्यापक चर्चा की। दोनों ने व्यापार, रक्षा और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में भारत-जर्मनी रणनीतिक साझेदारी पर बात की।

रूस के खिलाफ लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकेगा यूक्रेन, बाइडन बोले- प्रतिबंध हटाने पर काम जारी

वाशिंगटन, एजेंसी। रूस के खिलाफ यूक्रेन जल्द ही लंबी दूरी की मिसाइलों का इस्तेमाल कर सकेगा। इसके संकेत अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन ने दे दिए हैं। उन्होंने कहा कि यूक्रेन के लिए लंबी दूरी की मिसाइलों पर प्रतिबंध हटाने पर काम किया जा रहा है।

राष्ट्रपति बाइडन मंगलवार को व्हाइट हाउस से न्यूयॉर्क के लिए निकल रहे थे। इस दौरान संवाददाताओं ने उनसे रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर सवाल किए। यह पूछे जाने पर कि क्या वह यूक्रेन द्वारा लंबी दूरी के हथियारों के इस्तेमाल पर प्रतिबंध हटा देंगे। इसके जवाब में बाइडन ने कहा, हम अभी इस पर काम कर रहे हैं। बाइडन ने कहा, यूक्रेन को रूस के खिलाफ लंबी दूरी की अमेरिका निर्मित मिसाइलों का उपयोग करने के लिए अधिकृत करने की संभावना पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान मॉस्को को मिसाइलें दे रहा है।

रूस-यूक्रेन युद्ध को बीते दो साल : रूस-यूक्रेन युद्ध के दो साल पूरे हो चुके हैं। 24 फरवरी 2022 को इन दो देशों के बीच संघर्ष शुरू हुआ था जो अभी तक जारी है। दो साल की लड़ाई में दोनों देशों में बहुत कुछ बदल चुका है। इस युद्ध ने हजारों लोगों की जान ले ली, लाखों लोग विस्थापित हुए, परिवारों और समुदायों को तोड़ दिया और अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया। यह खूनी जंग रुकेगी, इसके भी कोई संकेत नहीं हैं। युद्ध की शुरुआत से रूस पर पाबंदियों का दौर जारी है। इसके बाद भी रूस अपने कदम पीछे करने को तैयार नहीं है।

रूस-यूक्रेन युद्ध कैसे शुरू हुआ था : 23 फरवरी 2022 की रात रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के खिलाफ सैन्य ऑपरेशन का एलान किया। चंद घंटे बाद यानी 24 फरवरी की तड़के सुबह अचानक यूक्रेन की राजधानी कीव और आसपास के शहरों में हवाई हमले होने लगे। रूस के इस हमले से पूरी दुनिया में हड़कंप मच गया। उधर यूक्रेन ने भी जवाबी कार्रवाई शुरू की।

इस युद्ध से कितना नुकसान हुआ : रूस-यूक्रेन शुरू होने बाद के दो वर्षों में दोनों पक्षों को भारी नुकसान हुआ है। पेंटागन का अनुमान है कि कम से कम 70,000 यूक्रेनी सैनिक मारे गए हैं और इससे दोगुने घायल हुए हैं। युद्ध में रूस को भी चौतरफा नुकसान झेलना पड़ा है लेकिन इसके नुकसान की बेहद ही कम रिपोर्ट हैं। पेंटागन का अनुमान है कि लगभग तीन लाख रूसी सैनिक घायल हुए हैं, जिनमें से 60,000 सैनिक मारे गए हैं। ब्रिटिश रक्षा मंत्रालय का अनुमान है कि 2022 की तुलना में 2023 में रूस में मृतकों की संख्या बढ़ी है। इस अवधि में रूसी हताहतों की औसत दैनिक संख्या लगभग 300 प्रति दिन बढ़ी है। ऐसा ही हाल रहा तो 2025 के अंत तक रूस में पांच लाख लोग मारे जाएंगे और घायल होंगे।

ब्राजील में भीषण सूखे के बीच जंगल में भड़की आग; संरक्षित क्षेत्र तबाह, हवा की गुणवत्ता भी गिरी

ब्रासीलिया, एजेंसी। सात दशक पहले राष्ट्रव्यापी माप शुरू होने के बाद से ब्राजील इन दिनों सबसे खराब सूखे के दौर में है। देश का 59त्न हिस्सा सूखाग्रस्त है। अमेजन के जंगलों की बेसिन नदियों का जल भी ऐतिहासिक गिरावट में है। मानव निर्मित जंगल की बेकाबू आग ने संरक्षित क्षेत्रों को तबाह कर क्षेत्र में धुआं फैला दिया है, जिससे हवा की गुणवत्ता गिर गई है। नेशनल सेंटर फॉर मॉनिटरिंग एंड अर्ली वार्निंग ऑफ नेचुरल डिजास्टर्स की शोधकर्ता एना पाउला कुन्हा ने कहा, पहली बार उत्तर से दक्षिणपूर्व तक सूखा है। धुएं के कारण 2.1 करोड़ लोगों का महानगरीय क्षेत्र साओ पाउलो प्रदूषित हवा में सांस लेने के लिए मजबूर है। उत्तर में 1,100 किमी दूर, चापाडा डॉस वेडेइरोस नेशनल पार्क में आग बदतर है। दक्षिणी कैलिफोर्निया में भीषण आग, 96 वर्ग किमी क्षेत्र बुरी तरह प्रभावित अमेरिका के दक्षिणी कैलिफोर्निया में कई दिनों से जंगल में आग लगी हुई है, जिससे आग इतनी अधिक बढ़ गई है कि इसने तूफान जैसी मौसम प्रणाली पैदा कर दी है। अग्निशमन कर्मियों को उम्मीद है कि इस सप्ताह क्षेत्र में ठंडा मौसम होने से आग की तपिश में कमी आ सकती है। यहां आग ने करीब 37 वर्ग मील (96 वर्ग किमी) क्षेत्र में घास और झाड़ियां जला दी हैं। लॉस एंजिल्स से लगभग 65 मील (105 किलोमीटर) पूर्व में सैन बर्नार्डिनो राष्ट्रीय वन के किनारे जलने से 6,000 लोगों को जगह खाली करने के लिए मजबूर कर दिया और हजारों घरों को खतरे में डाल दिया है। अग्निशामक 37.7 डिग्री सेल्सियस से ऊपर के तापमान में काम कर रहे हैं। कैल फायर के प्रवक्ता रिक कारहार्ट ने कहा, हम कठिन पहुंच वाले क्षेत्रों में हैं, जहां दशकों से या रिकॉर्ड किए गए इतिहास में आग नहीं लगी है। यह आग इडाहो, ओरेगॉन और नेवादा सहित पश्चिम भर में लगी कई जंगली आग में से एक है। वियतनाम में तूफान से अब तक 87 की मौत वियतनाम में 'यागी' तूफान और उसके बाद भारी बारिश के चलते आई बाढ़ व भूस्खलन में मृतक संख्या मंगलवार को बढ़कर 87 हो गई, जबकि 70 लोग लापता हैं और सैकड़ों घायल हैं। यागी तूफान दशकों में वियतनाम में आने वाला सबसे शक्तिशाली तूफान था। यह शनिवार को 149 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से इसके तट से टकराया था।

भारतीय मूल के लेक्टरर को मिला सिंगापुर साहित्य सम्मान, नाइन यार्ड साड़ी को मिला पुरस्कार

सिंगापुर। भारतीय मूल के लेक्चरर ने अपनी अंग्रेजी फिक्शन के लिए सिंगापुर साहित्य पुरस्कार जीता। नानयांग टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी के लेक्चरर प्रशांति राम को नाइन यार्ड साड़ी के लिए यह पुरस्कार दिया गया। उनकी यह कहानी सिंगापुर, सिडनी, न्यूयॉर्क और कनेक्टिकट में फैले एक तमिल ब्राह्मण परिवार की पीढ़ियों के बारे में है। पुरस्कार जीतने के बाद प्रशांति राम ने कहा कि वह आश्चर्यचकित हैं। लेक्चरर प्रशांति राम ने कहा, मैं आश्चर्यचकित हूं। मैं बहुत आभारी हूं कि जजों ने नाइन यार्ड साड़ी में योग्यता देखी। मैंने यह यह कहानी अपने दिवंगत पिता की देखभाल करने के दौरान लिखी थी। उन्होंने आगे कहा, मुझे उम्मीद है कि अब ज्यादा ज्यादा लेखक लघु कथा के साथ नए-नए प्रयोग करेंगे। ऐसा इसलिए, क्योंकि इस प्रारूप के जरिए एक ही रचना में इतने सारे परिप्रेक्ष्यों और संदर्भों में गोता लगाने का मौका मिलता है। यह बहुत खुशी की बात है। मंगलवार को विक्टोरिया थिएटर में एक समारोह में कवि सिरिल वोंग के नेतृत्व में तीन सदस्यीय पैनल ने बताया कि प्रशांति राम की यह कहानी कुशल, आश्वस्त, कभी-कभी हास्यपूर्ण और प्रभावित करने वाला था। इसने प्रशांति को एक स्पष्ट दृष्टि वाला के तौर पर वर्णित किया है। शुबिगी राव को मिला इंग्लिश क्रिएटिव नॉन फिक्शन के लिए पुरस्कार इंग्लिश क्रिएटिव नॉन फिक्शनका पुरस्कार भारतीय मूल की कलाकार शुबिगी राव को मिला। उन्हें यह पुरस्कार उनकी पल्प 3: एन इंटिमेट इन्वेंटरी ऑफ द बेनिश्ड बुक (2022) के लिए दिया गया। शुबिगी राव ने अपनी जीत का श्रेय प्रतिभाशाली महिलाओं दिया। उन्होंने कहा कि सेंसरशिप, प्रतिबंध, जलाना और फंडिंग के हर कृत्य के साथ हम हद से ज्यादा गरीब हो गए।

सर्वश्रेष्ठ अंग्रेजी डेब्यू का पुरस्कार 91 वर्षीय नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ़ सिंगापुर के एमेरिटस प्रोफेसर पीटर एलिंगर को मिला। उन्होंने यह पुरस्कार अपनी किताब डाउन मेमरी लेनः पीटर एलिंगर्स मेमोइर के लिए जीता। इसी के साथ वह सिंगापुर साहित्य पुरस्कार जीतने वाले सबसे उम्रदराज विजेता बन गए। उनकी यह किताब उनके जीवन पर आधारित है। इसमें 20वीं सदी की कई महत्वपूर्ण घटनाओं का भी जिक्र है।

बता दें कि कुल 17 लेखक, अनुवादकों और हास्य कलाकारों को सिंगापुर साहित्य पुरस्कार दिया गया। तमिल कविता के विजेताओं में मथिकुमार थायुमानवन द्वारा यमक्कोदंगी (2023), कनागलता के द्वारा फिक्शनः चीनलक्षुमी (2022), अजगुनिला द्वारा क्रिएटिव नॉन-फिक्शनः अप्पन (2023), और तमिलसेल्वी राजराजन द्वारा बेस्ट डेब्यूः कात्रालालिल (2023) शामिल हैं।

डिबेट के बाद टेलर स्विफ्ट ने राष्ट्रपति पद के लिए कमला हैरिस का किया समर्थन, कहा- मैंने चुनाव कर लिया...

वॉशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने हैं। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में हैं। दोनों का समर्थन करने वाले लगातार सामने आ रहे हैं। अब इस कड़ी में गायिका टेलर स्विफ्ट का नाम भी जुड़ गया है। स्विफ्ट ने प्रेसिडेंशियल डिबेट होने के तुरंत बाद बुधवार सुबह एलान कर दिया कि वह उपराष्ट्रपति को अपना समर्थन देंगी।

बिल्ली के साथ तस्वीर की साझा : टेलर स्विफ्ट ने सोशल मीडिया मंच इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट कर अपने समर्थन की घोषणा की। उन्होंने कहा कि वह पांच नवंबर को होने वाले चुनाव में उपराष्ट्रपति कमला हैरिस को वोट देंगी। उन्होंने अपनी एक तस्वीर भी साझा की है, जिसमें वह एक बिल्ली के साथ हैं। उन्होंने कैप्शन के अंत में खुद को निःसंतान बिल्ली महिला के रूप में बताया है।

क्या बोले टिम वॉल्ज : हैरिस के रनिंग मेट यानी उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार टिम वॉल्ज ने टेलर स्विफ्ट के समर्थन पर खुशी जताई। वॉल्ज ने कहा, मैं उनका बहुत आभारी हूं।

मैंने भी आज बहस देखी : अमेरिकन गायिका टेलर स्विफ्ट ने कहा, आप में से कई लोगों की तरह मैंने भी आज बहस देखी। अगर आपने अभी तक नहीं देखी है, तो अब उन मुद्दों पर रिसर्च करने का एक अच्छा समय है जो आपके लिए सबसे अधिक मायने रखते हैं। एक मतदाता के तौर पर, मैं इस बात का ध्यान रखती हूं कि मैं इस देश के लिए उनकी प्रस्तावित नीतियों और योजनाओं के बारे में जितना हो सके उतना देखूं और पढ़ूं। ट्रंप के समर्थन करने वालों पर बोला हमला उन्होंने आगे कहा, हाल ही में मुझे पता चला था कि डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति पद के लिए दौड़ का गलत तरीके से समर्थन करने वाले मेरे एआई को उनकी साइट पर पोस्ट किया गया था। इस पोस्ट से वाकई एआई के प्रति मेरे डर और गलत सूचना फैलाने के खतरों को जगा दिया। मैं इससे इस फैसले पर आई की मुझे एक मतदाता के रूप में इस चुनाव के लिए अपनी वास्तविक योजनाओं के बारे में बहुत पारदर्शी होने की आवश्यकता है। गलत सूचना से निपटने का सबसे सरल तरीका सच्चाई है। अगर हम शांति से आगे बढ़ें और... गायिका स्विफ्ट ने कहा, मैं 2024 के राष्ट्रपति चुनाव में कमला हैरिस और टिम वॉल्ज को अपना वोट दूंगी। मैं कमला हैरिस को वोट दे रही हूं क्योंकि वह अधिकारों और कारणों के लिए लड़ती हैं।

कालचक्र का बदलता स्वरूप- अमेरिका में लगातार बिगड़ती आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति

अमेरिका में उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं। अमेरिका में प्रति घंटा औसत मजदूरी की दर वर्ष 1973 से (मुद्रा स्फीति की दर के समायोजन के पश्चात) लगभग नहीं के बराबर बढ़ी है। अमेरिका में आय की असमानता लगातार बढ़ती जा रही है। फेडरल बजट घाटा अब अरक्षणीय (अनसस्टेनेबल) स्तर पर पहुंच गया है। विदेशी व्यापार घाटा के लगातार बढ़ते जाने से आज अमेरिका 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रतिदिन ले रहा है।

(लेखक- प्रहलाद सबनानी)

विश्व में कई गतिविधियां एक चक्र के रूप में चलती रहती है। एक कालखंड के पश्चात चक्र कभी नीचे की ओर जाता है एवं एक अन्य कालखंड के पश्चात यह चक्र कभी ऊपर की ओर जाता हुए दिखाई देता है। विदेशी व्यापार के मामले में वर्ष 1750 तक पूरे विश्व में भारत की तूती बोलती रही है, परंतु इसके पश्चात यूरोपीयन देशों ने विस्तारवादी नीतियों के चलते अपने आर्थिक हित साधते हुए विभिन्न देशों पर अपना कब्जा जमा लिया। ब्रिटेन, फ्रान्स, डच जैसे देशों ने एशियाई देशों एवं कुछ अफ्रीकी भू भाग पर पर अपना कब्जा जमाया तो स्पेन आदि देशों ने अमेरिकी महाद्वीप पर अपना कब्जा जमाया। समय के साथ चक्र कुछ इस प्रकार चला कि वर्ष 1950 आते आते अमेरिका पूरे विश्व में सबसे अमीर देशों की श्रेणी में शामिल हो गया और ब्रिटेन, जिसके बारे में कभी कहा जाता था कि ब्रिटेन की महारानी के राज्यों में सूरज कभी डूबता नहीं है, का आर्थिक दृष्टि से ढलान शुरू हो गया और आज ब्रिटेन के आर्थिक एवं सामाजिक ढांचे की स्थिति हम सभी के सामने है। ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था हाल ही में पूरे विश्व में छठे स्थान पर पहुंच गई है तथा अमेरिका, चीन, जापान, जर्मनी के पश्चात भारत आज विश्व की पांचवी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। जबकि वर्ष 1750 के पश्चात जब ब्रिटेन ने भारत पर अपना कब्जा स्थापित कर लिया था उसके बाद भारत की स्थिति यहां तक बिगड़ी थी कि पूरी विश्व की अर्थव्यवस्था में भारत के विदेश व्यापार की हिस्सेदारी वर्ष 1750 के 32 प्रतिशत से घटकर वर्ष 1947 में 3 प्रतिशत के नीचे आ गई थी। परंतु, एक बार फिर कालचक्र अपना रंग दिखाता हुआ नजर आ रहा है और अमेरिकी अर्थव्यवस्था के साथ ही वहां का सामाजिक ताना बाना भी छिन्न भिन्न होता हुआ दिखाई दे रहा है।

दरअसल, अमेरिका ने पूंजीवादी नीतियों को अपनाकर अपने नागरिकों में केवल आर्थिक उन्नति को ही विकास के एकमात्र मार्ग के रूप में चुना था, इससे वहां के नागरिकों में किसी भी प्रकार से धन अर्जन करने की प्रवृत्ति विकसित हुई एवं सामाजिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक ताना बाना छिन्न भिन्न हो गया। परिवार व्यवस्था समाप्त हो गई जिसका परिणाम आज हमारे सामने हैं कि आज अमेरिका में नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना, मेडीकेयर योजना, मेडीकैड योजना, प्रौढ़ नागरिकों को सुविधाएं एवं केंद्र (फेडरल) सरकार के कर्मचारियों को अदा की जा रही पेंशन, आदि योजनाएं सरकार द्वारा नागरिकों के हितार्थ अमेरिका में चलानी पड़ रही हैं। इन योजनाओं पर खर्च किए जा रहे 2 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि का लाभ करोड़ों अमेरिकी नागरिक प्रतिवर्ष उठा रहे हैं। यह राशि अमेरिकी सकल घरेलू उत्पाद का 14 प्रतिशत है। सुरक्षा की मद पर भी अमेरिका द्वारा 70,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का खर्च प्रतिवर्ष किया जाता है। बेरोजगारी बीमा लाभ योजना पर भी भारी भरकम राशि अमेरिकी सरकार द्वारा प्रतिवर्ष खर्च की जाती है। अमेरिका में सेवा निवृत्त हो रहे कर्मचारियों की संख्या लगातार बढ़ रही है जिसके कारण इस मद पर व्यय की जाने वाली राशि में भी बेतहाशा वृद्धि हो रही है, साथ ही लगातार बढ़ रहा सुरक्षा खर्च, स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय की लगातार बढ़ रही राशि के बीच वर्तमान में कर की दरों में वृद्धि नहीं करने के कारण बजटीय घाटे पर दबाव बढ़ता जा रहा है। इकोनोमिक रिपोर्ट आफ द प्रेजीडेंट के अनुसार अमेरिका में वर्ष 2000 में 23,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बजट आधिक्य था जो वर्ष 2001 में घटकर 12,600 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया। परंतु, वर्ष 2002 में एक बार जो 15,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर का बजट घाटा प्रारम्भ हुआ तो इसके बाद से वह बढ़ता ही गया है। वर्ष 2009 में तो बजट घाटा बढ़कर 141,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया, वर्ष 2010 में 129,400 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2011 में 130,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2012 में 108,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं वर्ष 2020 में 313,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2021 में 277,000 करोड़ अमेरिको डॉलर एवं वर्ष 2022 में 188,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का रहा है।

अमेरिका में प्रति परिवार वास्तविक औसत आय वर्ष 1973 में (वर्ष 2015 में डॉलर की कीमत पर) 50,000 अमेरिकी डॉलर थी। अमेरिका के लगभग आधे परिवारों की वास्तविक औसत आय 50,000 अमेरिकी डॉलर से अधिक थी एवं शेष आधे परिवारों की 50,000 अमेरिकी डॉलर से कम थी, जिससे आय की असमानता आज की तुलना में कम दिखाई देती थी। वर्ष 1973 से वर्ष 2015 तक अमेरिका में उत्पादकता में 115 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है जबकि परिवारों की औसत आय (मुद्रा स्फीति के समायोजन के बाद) केवल 11 प्रतिशत ही बढ़ी है। यह भी, इस बीच, अमेरिकी महिलाओं को भारी मात्रा में प्रदान किए गए रोजगार के अवसरों के चलते सम्भव हो पाया है। इस प्रकार, मुद्रा स्फीति के समायोजन के पश्चात, अमेरिका में वर्ष 1973 के पश्चात औसत आय में वृद्धि नगण्य ही रही है। वर्ष 1973 से वर्ष 2007 के बीच अमेरिकी मध्यवर्गीय परिवारों ने उपभोग पर औसत खर्च को दुगने से भी अधिक कर दिया है। जिसके कारण इन परिवारों की बचत दर 10 प्रतिशत से घट कर 2 प्रतिशत हो गई है। बल्कि कई परिवारों को तो अपने मकानों पर ऋण लेकर एवं क्रेडिट कार्ड के माध्यम से ऋण लेकर भी काम चलाना पड़ रहा हैं।

जोसेफ शूम्पटर के अनुसार अमेरिका में कार ने घोड़ा गाड़ी को खत्म कर दिया एवं कम्प्यूटर ने टाइपराइटर को खत्म कर दिया। इसे 卐रचनात्मक विनाश卐 (क्रीएटिव डेस्ट्रक्शन) का नाम दिया गया, क्योंकि इससे उत्पादकता का स्तर बढ़ा था, परंतु रोजगार के लाखों अवसर समाप्त हो गए थे। अमेरिका में आज 5 में से 4 रोजगार के अवसर, सेवा क्षेत्र में उत्पन्न होते हैं, जहां तुलनात्मक रूप से आय कम है। कृषि एवं उद्योग (विनिर्माण सहित) क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बहुत कम मात्रा में उपलब्ध हो पा रहे हैं।

60 वर्ष पूर्व तक अमेरिका विदेशी व्यापार के मामले में आत्मनिर्भर था। अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उपभोग होता था उन लगभग समस्त उत्पादों का उत्पादन भी अमेरिका में ही होता था। बल्कि, विदेशी व्यापार के मामले में तो उस समय अमेरिका के पास विदेश व्यापार आधिक्य शेष रहता था। आज अमेरिका में विभिन्न उत्पादों का जितना उत्पादन होता है उससे कहीं अधिक उपभोग होता है। अमेरिकी नागरिक आज अपनी आय से अधिक व्यय करता हुआ दिखाई देता है। अमेरिका में कई नए शहरों की बसावट के पहिले, समस्त बड़े नगरों में 75 प्रतिशत श्रमिक रेल्वे एवं बसों से यात्रा करते थे। परंतु आज केवल 5 प्रतिशत नागरिक ही पब्लिक वाहनों का उपयोग, एक स्थान से दूसरे स्थान पर आने जाने के लिए, करते हैं। समस्त नागरिकों के पास अपनी अपनी कार है एवं केवल स्वयं ही उस कार में वे यात्रा करते हुए पाए जाते हैं। इससे पेट्रोल, डीजल एवं गैस की खपत में बेतहाशा बृद्धि दर्ज हुई है। द्वितीय विश्व युद्ध तक अमेरिका कच्चे तेल का एक निर्यातक देश हुआ करता था परंतु आज अमेरिका अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का एक तिहाई भाग आयात करता है।

अमेरिका में वर्ष 2000 में विदेशी व्यापार घाटा 38,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का था जो 2021 में बढ़कर 86,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो गया है। 1970 के दशक तक, लगभग प्रत्येक वर्ष, अमेरिका के पास विदेशी व्यापार आधिक्य हुआ करता था। परंतु, इसके पश्चात अमेरिका की स्थिति विदेशी व्यापार के मामले में लगातार बिगड़ती चली गई है।

अमेरिका में उच्च आय वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसर लगातार कम हो रहे हैं। अमेरिका में प्रति घंटा औसत मजदूरी की दर वर्ष 1973 से (मुद्रा स्फीति की दर के समायोजन के पश्चात) लगभग नहीं के बराबर बढ़ी है। अमेरिका में आय की असमानता लगातार बढ़ती जा रही है। फेडरल बजट घाटा अब अरक्षणीय (अनसस्टेनेबल) स्तर पर पहुंच गया है। विदेशी व्यापार घाटा के लगातार बढ़ते जाने से आज अमेरिका 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की राशि का ऋण प्रतिदिन ले रहा है। देश में लगातार बढ़ रही गरीबी अब एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी की ओर स्थानांतरित हो रही है। कुल मिलाकर उक्त वर्णित अमेरिकी अर्थव्यवस्था की वर्तमान हालत को देखते हुए यह कहा जा सकता है कि पश्चिमी आर्थिक दर्शन पर टिका पूंजीवादी मॉडल पूर्णतः असफल हो रहा है। इसी कारण से अमेरिकी अर्थशास्त्रियों द्वारा भी अब यह कहा जाने लगा है कि पूंजीवादी मॉडल समाप्ति की ओर अग्रसर हो रहा है अतः साम्यवाद एवं पूंजीवाद के बाद एक तीसरे आर्थिक रास्ते की अब सख्त आवश्यकता है, जो संभवत- केवल भारत ही उपलब्ध कर सकता है

संपादकीय

शिमला में रोष

शिमला देश के सुंदर-शांत-शालीन शहरों में शुमार है, पर आजकल वहां की हवा में जो तनाव व्याप्त है, वह न केवल दुखद, बल्कि शर्मनाक भी है। शिमला में बुधवार को तनाव फैल गया, जब एक कथित अवैध मस्जिद के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों लोग पुलिस से ही भिड़ गए। महिलाओं को भी बड़ी संख्या में धर्मस्थल विशेष के खिलाफ नारे लगाते देखा गया, यह सही संकेत नहीं है। प्रदर्शन चिंता की बात नहीं है, लेकिन पुलिस से भिड़ जाना गंभीर बात है। क्या ऐसे प्रदर्शन से बचा जा सकता था? क्या पुलिस या प्रशासन पहले से सजग नहीं था? क्या प्रदर्शन की तीव्रता का अंदाजा नहीं लगाया गया था? शिमला में जो हुआ है, उसने पुलिस को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया हो, तो आश्चर्य नहीं। कोशिश होनी चाहिए कि ऐसे प्रदर्शन की नौबत ही न आने पाए। पुलिस को पानी की बौछार और हल्के बल प्रयोग का सहारा लेना पड़ा है, पर ऐसी जरूरत आगे नहीं पड़नी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि अगर किसी मस्जिद में अवैध निर्माण हो रहा था, तो क्या इसे रोकने की जिम्मेदारी भीड़ की है? आखिर किसी धार्मिक समूह को ऐसी जरूरत क्यों महसूस हुई? बहुसंख्यक वर्ग के समूहों ने जब विरोध प्रदर्शन का आह्वान किया था, तभी प्रशासन को सचेत हो जाना चाहिए था। भीड़ को न केवल जुटने दिया गया, बल्कि उसे आगे बढ़कर प्रदर्शन भी करने दिया गया। प्रशासन की यह प्राथमिक जिम्मेदारी है कि वह सांप्रदायिक तनाव को बढ़ने से रोकने के हरसंभव उपाय करे। प्रशासन कतई यह एहसास न होने दे कि उसकी सहानुभूति किसी वर्ग विशेष के साथ है। अगर प्रशासन पक्षपात करता न दिखे, तो ऐसे प्रदर्शन का कोई औचित्य ही नहीं रह जाएगा। कहीं न कहीं प्रशासन की उदासीनता ने प्रदर्शनकारियों को मौका दिया है। अगर अवैध निर्माण है, तो उसके खिलाफ स्थानीय प्रशासन को स्वयं ही कार्रवाई करनी चाहिए और अगर निर्माण अवैध नहीं है, तो विरोधी पक्ष को आश्वस्त करना प्रशासन का ही काम है। शिमला जैसे पर्यटन के बड़े केंद्र में किसी भी प्रकार का सांप्रदायिकता प्रदर्शन बहुत अफसोस की बात है। सभी शिमला वासियों को यह सोचना चाहिए कि ऐसे प्रदर्शन से इस शहर के प्रति आकर्षण में कमी आएगी। शिमला में भी अगर सांप्रदायिकता की जमीन तैयार होती है, तो यह खतरे की घंटी है। अपने देश में ज्यादातर पर्यटन केंद्र आबादी का बोझ झेलने के साथ ही अपने मूल प्रारूप को भी बदलते चले जा रहे हैं। नए-नए धर्मस्थलों के विकास-विस्तार की तेज होती परिपाटी चिंता बढ़ाती है। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि यह मसला कहीं सियासी रूप न ले ले। देश में मणिपुर हो या पश्चिम बंगाल, जहां भी सियासत हुई है, वहां समस्याओं के अंबार लगते चले गए हैं। यह अफसोस की बात है कि शिमला में सियासत ने काम करना शुरू कर दिया है। सत्ता पक्ष और विपक्ष, दोनों ही एक-दूसरे पर आरोप लगा रहे हैं। एक-दूसरे को दोषी ठहराने के बजाय कोशिश यह होनी चाहिए कि विवाद को शांतिपूर्वक सुलझा लिया जाए। विपक्ष को जहां संयम बरतना चाहिए, वहीं सत्ता पक्ष को आगे बढ़कर सभी को आश्वस्त करना चाहिए कि कानून-व्यवस्था हर हाल में बहाल रहेगी। बाहर से आने वाले अपनी रोटियां न सेंक पाएं, इसके लिए स्थानीय नेताओं को भी सजग रहना चाहिए। अमन-चैन सामूहिक जिम्मेदारी है और उससे खिलवाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति को रियायत देने से बचना चाहिए।

हरियाणा चुनावी मुद्दों से मिल रहे हैं सत्ता-विरोधी संकेत

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी।

(लेखक - ललित गर्ग)

हरियाणा विधानसभा चुनाव के मतदान की तारीख जैसे-जैसे नजदीक आती जा रही है, राजनीतिक दलों में उठापटक हो रही है, दलबदल का सिलसिला जारी है, गठबंधन टूट रहे हैं जो नये जुड़ रहे हैं। प्रदेश में तीसरी बार सरकार बनाने को आतुर भाजपा के सामने इस बार चुनौतियां कम नहीं हैं, वही कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली सफलता से अति-उत्साहित दिखाई दे रही है, आम आदमी पार्टी भी सभी सीटों पर अपने उम्मीदवार खड़े कर राजनीतिक समीकरणों को प्रभावित करने में जुटी है। हरियाणा में तू डाल-डाल, मैं पात-पात की कशमकश जोरों से चल रही है। विनेश और बजरंग पहलवान को शामिल करके कांग्रेस खुशियां मना रही थी, लेकिन 'आप' से हो रहा समझौता टूटते ही कांग्रेस की खुशियां कुछ हद तक फीकी दिखाई देने लगीं। फिर भी भूपिंदर सिंह हुड्डा के नेतृत्व में कांग्रेस हरियाणा में अपनी बहुमत की सरकार बनाने का दावा कर रही है। भाजपा भी यहां अपनी सरकार बचाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। इस बार हरियाणा के चुनावों पर समूचे देश की नजरे लगी है।

हरियाणा विधानसभा चुनावों के लिए विपक्षी इंडिया गठबंधन में शामिल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी के बीच गठबंधन की बातचीत टूटने के बाद से कांग्रेस के जीत के सपनों को सेंध लगी है। आप ने प्रत्याशियों की दो-दो सूची जारी कर दी है, सभी 90 सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान भी कर दिया है। फिर भी दोनों दलों में कुछ लोग हैं, जो अभी गठबंधन की उम्मीद छोड़ने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि यही गठबंधन कांग्रेस की जीत का बड़ा कारण माना जा रहा है। इस गठबंधन के टूटन से भाजपा की निराशा के बादल कुछ सीमा तक छंटते हुए दिखाई दे रहे हैं। लेकिन भाजपा की जीत अभी भी निश्चित नहीं मानी जा रही है। भले ही 'आप' को दूर रखकर हरियाणा कांग्रेस की राज्य इकाई खुश हो रही हो, लेकिन इसका फायदा भाजपा को ही होने वाला है क्योंकि 'आप' प्रत्याशियों को जहां भी, जितने भी वोट मिलने वाले हैं, वे जाएंगे कांग्रेस के खाते से ही। इस त्रिकोणीय संघर्ष का फायदा भाजपा को ही मिलेगा।

हरियाणा कांग्रेस एवं उसके नेता प्रारंभ से ही स्वतंत्र चुनाव लड़ने के पक्ष में रहे हैं। प्रदेश कांग्रेस नेताओं के मुताबिक, दस वर्षों की सत्ता-विरोधी लहर के मद्देनजर भाजपा 2019 से कमजोर स्थिति में है, जब उसे 90 सीटों की विधानसभा में 40 सीटें ही मिल पाई थीं। हाल ही में सम्पन्न लोकसभा चुनावों के नतीजे भी संकेत दे रहे हैं जहां पिछली बार की दसों सीटों की जगह उसे सिर्फ 5 सीटें मिलीं। आप को कांग्रेस के साथ गठबंधन में यहां एक लोकसभा सीट पर चुनाव लड़ने का मौका मिला था, लेकिन वह हार गई थी। इसी स्थिति को देखते हुए ही प्रदेश कांग्रेस आप के साथ गठबंधन को पूरी तरह गैर जरूरी मान रहा है। लेकिन कांग्रेस का राष्ट्रीय नेतृत्व राजनीति गणित को देखते हुए आप के साथ गठबंधन को लेकर निरन्तर प्रयास करता रहा। यही कारण दोनों दल गठबंधन के लिए बातचीत की मेज पर बैठे। राहुल गांधी अब लोकसभा में विपक्ष के नेता हैं और उनकी प्राथमिकता यह है कि राष्ट्रीय स्तर पर विपक्ष के इंडिया गठबंधन की एकजुटता और उसकी मजबूती में किसी तरह की कमी न दिखे ताकि केंद्र सरकार और भाजपा पर उसका दबाव बना रहे।

हरियाणा में आप पार्टी कोई चमत्कार घटित करने की स्थिति में नहीं है। उसकी भूमिका सत्ता के गणित को प्रभावित करना मात्र है। कुछ सीटें उसके खाते में जा सकती है, जिसका रोल भविष्य की सत्ता की राजनीति में हो सकता है। अरविन्द केजरीवाल के जातीय गणित के कारण 'आप' पार्टी कांग्रेस को भारी नुकसान पहुंचा सकता है तो कुछ नुकसान भाजपा का भी कर सकती है। कम वोटों के अंतर से होने वाली जीत-हार में 'आप' पार्टी का असर साफ दिखने वाला है। देर से ही सही, हो सकता है कांग्रेस नेतृत्व को यह बात समझ में आ जाए, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी होगी। हालांकि चुनाव परिणाम आने पर ही असल माजरा समझ आएगा, लेकिन यह तय है कि भाजपा को दस साल के राज के बावजूद कमजोर नहीं माना जा सकता।

लोकसभा चुनाव में भाजपा की सीटों में आई कमी के बाद विपक्ष को जो थोड़ी धार मिली है, उसका जो मनोबल बढ़ा था, उसके मद्देनजर ये चुनाव अहम माने जा रहे हैं। हरियाणा के बाद महाराष्ट्र और झारखंड में भी चुनाव होने हैं। दिल्ली विधानसभा के चुनाव भी ज्यादा दूर नहीं हैं। ऐसे में हरियाणा विधानसभा चुनाव में अगर इंडिया गठबंधन साथ मिलकर मजबूती से लड़ता और अच्छी जीत दर्ज करा पाता तो उसका असर न केवल आने वाले विधानसभा चुनावों पर बल्कि पूरे विपक्ष के मनोबल पर पड़ने वाला था। इंडिया गठबंधन के कारण सबसे ज्यादा नुकसान भाजपा को ही झेलना पड़ता है। इसलिये इस गठबंधन की मजबूती ही भाजपा के लिये असली चुनौती है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनावों को याद करें तो इस पर लगभग आम राय है कि वहां कांग्रेस को प्रदेश नेतृत्व के अति आत्मविश्वास का नुकसान हुआ। असल सवाल विपक्षी वोटों के बंटवारे का है। जिस तरह से आप प्रत्याशियों की सूची जारी कर रही है, उससे साफ है कि वह इसी पहलू की ओर इशारा कर रही है कि उसे सीटें भले न आएं, कांग्रेस को कई सीटों का नुकसान तो हो ही सकता है।

भाजपा लम्बे समय से हरियाणा में कमजोर बनी हुई है, भले ही सरकार उसी की हो। अपनी लगातार होती कमजोर स्थितियों में सुधार लाने एवं प्रदेश में भाजपा को मजबूती देने के लिये ही लोकसभा चुनाव से ठीक पहले मनोहर लाल के स्थान पर ओबीसी वर्ग के नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाकर सत्ता विरोधी कारकों को कम करने की कोशिश की थी, लेकिन भाजपा को उसका पूरा लाभ नहीं मिल सका। इसके मुख्य कारण सत्ता विरोधी वातावरण बना तो किसानों व बेरोजगारों की नाराजगी बड़ी चुनौती बन कर सामने आयी। भाजपा द्वारा पेश किए गए तीन विवादास्पद कृषि कानून हरियाणा में विवाद का मुख्य मुद्दा बने हुए है। राज्य के किसानों ने इन कानूनों का विरोध किया, उनका दावा है कि ये उनकी फसल की बिक्री और आय पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं। केन्द्र की अग्निपथ योजना भी इन चुनावों में एक विवादास्पद मुद्दा बनी हुई है। इसने राज्य के युवाओं में चिंता पैदा कर दी है। आलोचकों का मानना है कि यह स्थायी भर्ती से दूर जाने का कदम है, जिससे सैनिकों के लिए रोजगार में अस्थिरता पैदा होती है। इन चुनावों में बेरोजगारी एक महत्वपूर्ण मुद्दा है, राज्य की बेरोजगारी दर राष्ट्रीय औसत से अधिक है। युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने में सरकारी नीतियों पर काफी बहस चल रही है, जिससे यह चुनावों में एक केंद्रीय मुद्दा बन गया है।

पहलवानों से जुड़ा मामला और बृज भूषण शरण सिंह पर लगे आरोप भी हरियाणा चुनाव में अहम मुद्दा बन गए हैं। पहलवानों ने सिंह पर उन्हें न्याय और सुरक्षा प्रदान करने में विफल रहने का आरोप लगाया है, जिससे हरियाणा में राजनीतिक परिदृश्य में एक नया आयाम जुड़ गया है। हरियाणा में पहलवानों की सबसे अधिक संख्या और कुश्ती में एक मजबूत परंपरा होने के बावजूद, समर्थन की कथित कमी पर चिंता है। खेलो इंडिया पहल में, जिसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना है, गुजरात को सबसे अधिक बजट आवंटित किया गया, जिससे हरियाणा के खेल समुदाय में असंतोष पैदा हुआ।

विचार मंथन

धारा 498-ए परिवार को तोड़ने और ब्लैकमेल करने वाला कानून?

(लेखक- सनत जैन)

सुप्रीम कोर्ट ने घरेलू हिंसा से संबंधित मामलों में भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 498-ए के दुरुपयोग पर गंभीर चिंता जताई है। कानून की यह धारा विवाह के बाद महिलाओं को उत्पीड़न और घरेलू हिंसा से सुरक्षा प्रदान करने के लिए बनाई गई थी। इस कानून का महिलाओं द्वारा गलत उपयोग किया जा रहा है। विशेष रूप से तलाक, विवाह के पश्चात पति-पत्नी में विवाद, नारी स्वतंत्रता, समान अधिकार और संपत्ति के मामलों में इस कानून का उपयोग पति, ससुराल पक्ष को प्रताड़ित और ब्लैकमेल करने के लिए किया जा रहा है। धारा 498-ए का मुख्य उद्देश्य पीड़ित महिलाओं को न्याय दिलाना था। उन्हें ससुराल पक्ष के अत्याचार से बचाने के लिए यह संशोधन किया गया था। पिछले कई वर्षों में अदालतों में ऐसे हजारों मामले सामने आये हैं, जहां महिलाओं ने इस धारा का दुरुपयोग कर ससुराल पक्ष का उत्पीड़न किया है। इस कानून के तहत झूठी शिकायत करके ससुराल पक्ष को ब्लैकमेल किया जाता है। पति और उसके परिवार वालों पर झूठे आरोप लगाकर उन्हें जेल भिजवाने की धमकी दी जाती है। मामला सुलझाने के लिए लाखों रुपए की वसूली ससुराल पक्ष से की जाती है। बॉम्बे हाईकोर्ट सहित आधा दर्जन हाईकोर्ट तथा देश की हजारों ट्रायल कोर्ट ने इस कानून के दुरुपयोग को लेकर समय-समय पर फैसले दिए हैं। कई मामलों में महिलाओं ने पति, उसके बुजुर्ग माता-पिता, यहां तक कि परिवार के बीमार सदस्य, जो बिस्तर से उठ नहीं सकते हैं, पति की बहन और उसके बहनोई को भी इस धारा के तहत झूठे आरोपों में फंसाने के कई मामले सामने आ चुके हैं। सुप्रीम कोर्ट द्वारा हाल में दिए गए आदेश में स्पष्ट किया है, कि इस कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। कोर्ट ने कहा, जब तक झूठे मामले दायर कराने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई नहीं होगी, तब तक यह समस्या बनी रहेगी, परिवार टूटते रहेंगे। अदालतों और समाज के सभी पक्षों को इस कानून का दुरुपयोग ना हो, इसके लिए संवेदनशीलता और सतर्कता रखने की आवश्यकता है। न्यायालय ने यह भी कहा, कि पति और उसके परिवार के खिलाफ झूठे आरोप लगाए जाते हैं, तो वह भी कानूनी रूप से न्यायालयीन कार्रवाई कर सकते हैं। भीड़ तंत्र के दबाव में आकर सरकार इस तरह के विशेष कानून बना देती है। जिसकी जरूरत ही नहीं होती है। भारतीय दंड संहिता में सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के चाहे वह महिला हो या पुरुष सभी को समान अधिकार भारतीय दंड संहिता में हैं। तब इस तरह के विशेष अधिकार बनाने की कोई जरूरत नहीं है। महिलाएं कमजोर वर्ग की होती हैं। उन्हें समय पर तत्काल न्याय मिलना चाहिए। इसके लिए जांच एजेंसियों और प्रशासन की भूमिका और जिम्मेदारी बड़ी होती है। जिम्मेदारी से बचने के लिए जांच एजेंसियां और सरकार इस तरह के कानून बनवाकर वाहवाही लूटती हैं। जल्द ही उसके दुष्परिणाम सामने आ जाते हैं। इस तरह के विशेष कानून बनाने से अपराध कम होने के स्थान पर और तेजी के साथ बढ़ते हैं। पिछले तीन दशक का अनुभव यही बताता है। निर्भया के बाद सरकार ने कई कड़े कानून यौन अपराधों को रोकने के लिए बनाए, लेकिन अपराध कम होने के स्थान पर और बढ़ गए। जांच एजेंसियां और प्रशासन यदि ठीक तरीके से काम नहीं करेगा। तो अपराधों पर नियंत्रण नहीं किया जा सकता है। प्रशासन और जांच एजेंसियों की जिम्मेदारी तय करने की जरूरत है।

सरकार की भी नागरिकों के प्रति अपनी जिम्मेदारी तय होनी चाहिए। सरकार कानून बनाकर अपना पल्ला झाड़ लेती है। सुप्रीम कोर्ट जिसे संविधान ने सभी नागरिकों के मौलिक अधिकारों का संरक्षक बनाया है। भीड़तंत्र के दबाव में सरकार यदि इस तरह के कानून बनाती है तो न्यायपालिका को समीक्षा करने का अधिकार है। यदि कानून का दुरुपयोग हो रहा है तो सुप्रीम कोर्ट इसे रद्द कर सकती है। सुप्रीम कोर्ट भी यदि पर-उपदेश कुशल बहुतेरे की तरह उपदेश देने लगती है। तब नागरिकों में निराशा उत्पन्न होती है। इस कानून के बनने से पति-पत्नी का दांपत्य जीवन तेजी के साथ टूट रहे हैं। इसकी पीड़ा महिलाओं को ही झेलनी पड़ रही है।

पहले ससुराल पक्ष और बाद में मायके पक्ष से महिलाएं प्रताड़ित की जा रही हैं। पति-पत्नी और परिवार जनों के बीच समय-समय पर कुछ नाराजी पनपती है। वह विश्वास, समर्पण और परिवार जनों के हस्तक्षेप से सुलझ जाती है। जब से महिलाओं के लिए यह विशेष अधिकार दिए गए हैं।

उत्तम औषधि है काजू

मेवे का प्रयोग उत्तम औषधि के रूप में किया जाता है। क्योंकि मेवा स्वाद की नहीं बल्कि सेहत की दृष्टि से भी उतनी ही फायदेमंद हैं। काजू में मैग्नीशियम पाया जाता हैं जो उच्च रक्तचाप को कम करने में और दिल के दौरे को रोकने में मदद करता है। काजू कोलेस्ट्रॉल के स्तर को भी संतुलित रखता है। काजू में प्रोटीन की मात्रा काफी होती है जो बॉडी व हड्डियों को मजबूत बनाती है। चाहे मिठाई में काजू कतली हो या फिर दूसरे पकवानों में काजू का इस्तेमाल। काजू किसी भी आम डिश को शाही बना सकता है। अब जब काजू हमें इतना पसंद ही है तो इससे होने वाले लाभ के बारे में भी जान लेना चाहिए। काजू में प्रोटीन, खनिज लवण, लौह, फाइबर, फोलेट, मेग्नीशियम, फॉस्फोरस, सेलेनियम, और तांबा का अच्छा स्त्रोत है। काजू का तेल, स्कर्वी मस्सा और रिंगवर्म के उपचार के लिए इस्तेमाल किया जाता है। आप प्रतिदिन 7-10 काजू का सेवन कर सकते हैं। काजू खाने से मसूडों और दांतों को स्वस्थ रखता है। काजू में मोनो सैचुरेटड फैट होता है जो की दिल को स्वस्थ रखता है ओर दिल की बीमारियों के खतरे को कम करते में मदद करता है। काजू में एंटी ओक्सिडेंट भी होते हैं जो कैंसर से बचाव करता है। काजू पाचन शाक्ति को बढाता है। इससे भूख भी कहीं अधिक लगती है। आंतों में भरी गैस कम किया जा सकता है। काजू में पाए जानवाले फाइटो-केमिक्लस कैंसर और दूसरे बीमारियों से सुरक्षा करते हैं। जिन महिलाओं को मेनोपॉज है उन्हें तनाव, स्ट्रेस होनो एक आम सा समस्या है। उन महिलाओं को रोजाना एक काजू खाना चाहिए। काजू में पर्याप्त मात्रा में मैग्नीशियम पाया जाता है। काजू में अधिक एनर्जी होती है और इसमें अधिक मात्रा में फाइबर होता है। इसलिए इसको खाने से शरीर का वजन संतुलित रहता है।

खीरे में हैं सेहत व सौंन्दर्य के अनगिनत गुण

खीरा सेहत के लिए काफी लाभकारी माना जाता है। ये सेहत के साथ-साथ सौंदर्य में बहुत फायदेमंद होता है। कम फेट व कैलोरी से भरपूर खीरे का सेवन आपको कई रोगो से बचाने में सहायता करता है। खीरे को आप कई तरह से खा सकते हैं, जैसे सलाद, जूस, सैंडवीच, या यूं ही नमक छिडक कर भी खा सकते हैं। खीरे के स्वास्थ्यवद्धक और सौन्दर्यवद्धक गुण दोनों अनगिनत होते हैं जैसे आयुर्वेद के अनुसार खीरा, पित्त, रक्त पित्त दूर करने वाला तथा रक्तविकार और मूत्र कच्छ नाशक रूचिकर फल है। खीरे के प्रयोग से पेट तथा जिगर की जलन शांत होती है। खीरे का नियमित सेवन से मासिक धर्म में होने वाली समस्याओं से भी छुटकारा मिलता है। खीरा एक ऐसी सब्जी है जिसमें कोलेस्ट्रोल बिल्कुल नहीं होता। यह हृदय रोगी के लिए बहुत लाभकारी माना जाता है। एक अध्ययन के अनुसार खीरा में जो स्टेरराल नाम का योगिक होता है वह कोलेस्ट्रोल को कम करने में मदद करता है। खीरे में कैलोरी कम और फाइबर उच्च मात्रा में होता है। इसलिए मीडे डे में भूख लगने पर खीरा खाने से पेट देर तक भरा हुआ रहता है। आयुर्वेद के मुताबिक पेट में गर्मी होने के वजह से मुंह से बदबू निकलता है, खीरा पेट को शीतलता प्रदान करने में मदद करता है।

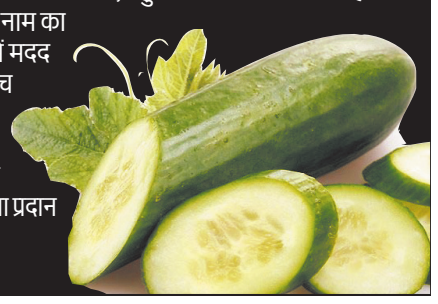

गर्भाशय में रसौली के लक्षण जान इस तरह करें घरेलू उपचार

बिगड़ते लाइफस्टाइल में महिलाओं में कई समस्याएं देखने को मिलती है, इन्हीं में से एक फाइब्रॉइड यानी रसौली। फाइब्रॉइड या रसौली की गांठें महिलाओं के गर्भाशय में या उसके आसपास बनती है। इस बीमारी के ज्यादातर लक्षण न होने के कारण महिलाओं को इसका पता नहीं चल पाता। एक शोध के अनुसार लगभग 40 प्रतिशत महिलाएं रसौली का शिकार होती है। वैसे तो अक्सर यह समस्या 30 से 50 की उम्र में देखने को मिलती है लेकिन गलत खान-पान के कारण यह समस्या इससे कम उम्र में हो जाती है। मोटापे से ग्रस्त महिलाओं का एस्ट्रोजन हार्मोन स्तर ज्यादा होने के कारण उन्हें इसका खतरा सबसे अधिक होता है। इस बीमारी के कुछ सामान्य लक्षणों से इसकी पहचान करके आप इससे बच सकते है। तो आइए जानते है फाइब्रॉइड के लक्षण और इसे दूर करने के कुछ घरेलू उपाय।

फाइब्रॉइड या रसौली के लक्षण

पीरियड्स के दौरान भारी ब्लीडिंग
अनियमित पीरियड्स
पेट के नीचे के हिस्से में दर्द
प्राइवेट पार्ट से खून आना
कमजोरी महसूस होना
प्राइवेट पार्ट से बदबूदार डिस्चार्ज
पेट में अचानक दर्द कब्ज
पेशाब रुक-रुककर आना

फाइब्रॉइड या रसौली के घरेलू उपाय

केस्टर ऑयल

दिन में 2 बार केस्टर ऑयल और अदरक के रस को मिला कर लें। सुबह और रात में सोने से पहले इसका सेवन इस बीमारी को दूर करता है।

लहसुन

रसौली की समस्या होने पर खाली पेट रोज 1 लहसुन का सेवन करें। लगातार 2 महीने तक इसका सेवन इस समस्या को जड़ से खत्म कर देता है।

बरडॉक रूट

यह जड़ी-बूटी एस्ट्रोजन को डिटॉक्स कर गर्भाशय फाइब्रॉइड को कम करने में मदद करती है। एंटी-इंफ्लेमेंटरी गुण से भरपूर इस जड़ी-बूटी का सेवन इस समस्या और कैंसर के खतरे को कम करता है।

सेब का सिरका

गर्म पानी के साथ सुबह शाम सेब का सिरका पीने से फाइब्रॉइड की समस्या दूर होती है। इसके अलावा इसका सेवन फाइब्रॉइड से होने वाले पेट दर्द को भी दूर करता है।

चेस्टबेरी

यह हर्ब हार्मोन संतुलन करके एस्ट्रोजन के कम स्तर को बनाए रखने और सूजन को कम करने में मदद करता है। चेस्टबेरी हर्ब से बने मिश्रण की 25-30 बूंदों को दिन में दो से चार बार लेने से आपकी यह समस्या दूर हो जाएगी।

हल्दी

एंटीबॉयोटिक गुणों से भरपूर हल्दी का सेवन शरीर से विषैले तत्वों को बाहर निकाल देता है। यह फायब्रॉइड की ग्रोथ को रोक कर कैंसर का खतरा कम करता है।

दांतों में कैविटी की समस्या को इन तरीकों से करें दूर

सफेद और सुंदर दांत व्यक्ति की खूबसूरती को और बढ़ादेते हैं। इनके बिना खाना खाने का कोई मजा नहीं आता। ऐसे में दांतों की सही देखभाल करना बहुत ही जरूरी होता है। कुछ लोग के गलत खान-पान या सही तरीके से दांतों की देखभाल न करने पर इनमें कैविटी यानी कीड़ा लग जाता है। यह किसी भी उम्र के लोगों को हो सकता है। कई बार कीड़ा लगने से इतना दर्द होता है कि उसको सहन करना बहुत मुश्किल हो जता है। इस दर्द से छुटकारा पाने के लिए कई लोग दवाइयां और ट्रीटमेंट का सहारा भी लेते हैं। जो की बहुत मंहगा है। ऐसे में आप नैचुरल तरीके से भी दांतों में लगे कैविटी को आसानी से हटा सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन तरीकों के बारे में।

क्या है कैविटी

शक्करयुक्त खाद्य पदार्थो यानि बिस्किट्स, चॉकलेट्स, आलू, केला को खाने से मुंह में अमल बनने लगते हैं। इससे दांतों में धीर-धीरे छोटे-छोटे से छिद्र बन जाते हैं। बाद में इन्हीं छिद्रों में कैविटी या कीड़ा लगत जाता है। इसके अलावा दांतों में संक्रमण होने पर भी कैविटी बन सकती है। इसका इलाज न करावाने पर दांतों के खराब होने का खतरा बढ़ जाता है। पीड़ित व्यक्ति को दांत खोने पड़ सकते हैं।

ऐसे करे कैविटी से बचाव

मिठाई, कैंडी और चॉकलेट खाना कम करें।
शक्करायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करने से बचें।
ज्यादा मिठठा फल न खाएं।
सोडा न पीएं। इसमें 12 से 40 ग्राम चीनी की मात्रा होती है जो कि दांतों के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं होती।खाने के बाद कुल्ला करें।
तेल और मसालेदार भोजन न खाएं।
ज्यादा गर्म या ठंडा खाना खाने से बचें।

कैविटी लगे दातों का घरेलू इलाज

नारियल या सूरजमुखी का तेल

कीड़ा लगे दांतों में तेल भरना सबसे बेस्ट घरेलू तकनीक है। इसके लिए आप नारियल तेल या सूरजमुखी का तेल का इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच तेल को अपने मुंह में कम से कम 20 मिनट तक रखें। इसके बाद कुल्ला करें और ब्रश कर लें। कुछ दिनों तक ऐसा करने से आपको खुद ही फर्क दिखाई देने लगेगा।

फ्लोराइड

यह एक तरह का प्राकृतिक खनिज पदार्थ है। यह दांतों में किसी भी प्रकार का रोग नहीं होने देता है। दातों को सुरक्षित रखने के लिए उस पानी का इस्तेमाल करें जिस में फ्लोराइड की मात्रा ज्यादा हो। इसके साथ ही टूथ पेस्ट से रोजाना दो बार ब्रश करें।

हींग

हींग का इस्तेमाल करने से भी दांतों के कीड़े खत्म हो जाते हैं। हींग के पाउडर को पानी में डालकर उबा लें। इसके ठंड़ा होने पर इस पानी से कुल्ला करें। रोजाना ऐसा करने से दांत के कीड़े खत्म हो जाएंगे। इसके साथ ही दांतों में होने वाले दर्द से भी छुटकारा मिलेगा।

प्याज के बीज

दांतों के कीड़े को नष्ट करने के लिए प्याज के बीजों का इस्तेमाल करें। इसके बीजों को चबाने से कीड़े जल्द ही खत्म हो जाते हैं। आप चाहें तो प्याज को बारिक काट कर भी इसका इस्तेमाल कर सकते हैं। एक कटोरे बारिक कटा प्याज डालकर उसमे इसमें थोड़ा-सा तेल डालकर कम आंच पर गर्म करें। इससे निकलने वाले धुएं को मुंह में लेने से भी कीड़े मर जाते हैं।

खट्टे-मीठे बेर में समाएं कई गुण

आयुर्वेद के अनुसार बेर दिल की सेहत के लिए बहुत ही लाभकारी है। बेर खाने से कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है, जिससे दिल से जुछी बीमारियां होने की आशंका कम हो जाती है। बरे खाने से बार-बार प्यार लगने की शिकायत भी दूर होती है। खट्टे-मीठे बेर में पोटैशियम, कॉपर, आयरन, फॉस्फोरस और खनिज पदार्थ आदि भी होते हैं। इन सभी तत्वों से इम्यून सिस्टम मजबूत बनता है और शरीर में रोगों से लडने की क्षमता बढती है। गर्मियों में पौधे सुषुप्तावस्था में प्रवेश कर जाते हैं व उस समय पत्तियां अपने आप ही झड जाती हैं तब पानी की आवश्यकता नहीं के बारबर होती है। इस तरह बेर अधिक तापमान तो सहन कर लेता है लेकिन शीत ऋतु में पडने वाले पाले के प्रति अतित संवेदनशील होता है। क्योंकि इसमें कम पानी व सूखे से लडने की विशेष क्षमता होती है। जिस तरह नींबू और संतरे में विटामिन सी प्रचुर मात्रा पाई जाती हैं उसी तरह बेर में भी। बेर में अन्य फलों के मुकाबले विटामिन-सी और एंटीऑक्सीडेंट ज्यादा मात्रा में होते हैं। इसके सेवन से त्वचा बढती उम्र तक जवां बनी रहती हैं। इसमें विटामिन सी की मात्रा खट्टे फलों से 20 गुना तक अधिक होती है। बेर की गुठली को घिसकर आंखों में काजल की तरह लगाने से कनीनिका प्रदाह ठीक हो जाता है। आंखों से बहने वाला पानी भी बंद हो जाता है। बेर के पत्तों को पानी में काफी समय तक उबालकर काढा बनाकर छानकर पीने से शरीर की बढती चर्बी कंट्रोल हो जाती है। चेचक में बेर के पत्तों का रस भैंस के दूध के साथ रोगी को देने से रोग का वेग कम होता है। बेर में 6 ग्राम पत्तों के चूर्ण को 2ग्राम गुड के साथ मिलाकर रोगी को खिलाने से भी 2-3 दिन में चेचक खत्म होने लगता है।

बजाज हाउसिंग फाइनेंस के आईपीओ को 3.2 लाख करोड़ की बोलियां मिली

नई दिल्ली । बजाज हाउसिंग फाइनेंस की शेयर बिक्री ने निवेशकों की रिकॉर्ड तोड़ मांग का सामना किया और 6,560 करोड़ रुपए के आईपीओ की पेशकश के लिए संचयी बोली 3.2 लाख करोड़ रुपए के पार निकल गई। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) में करीब 90 लाख आवेदन मिले, जिसने टाटा टेक्नोलॉजिज के पिछले रिकॉर्ड 73.5 लाख आवेदनों को पीछे छोड़ दिया। बाजार के विशेषज्ञों का मानना है कि यह कामयाबी 5.5 लाख करोड़ डॉलर वाले देसी इक्विटी बाजार की मजबूती व गहराई को रेखांकित करती है और बड़े पैमाने पर होने वाली शेयर बिक्री को सहारा देने की उसकी क्षमता भी बताती है। यह मील का पत्थर वैश्विक वाहन दिग्गज ह्युंडै इंडिया के 25,000 करोड़ रुपए के अनुमानित आईपीओ और सॉफ्टबैंक समर्थित स्विगी के 10,000 करोड़ रुपए के अनुमानित आईपीओ से पहले देखने को मिला है। बजाज हाउसिंग के आईपीओ को निवेशकों की विभिन्न श्रेणियों से भारी मांग देखने को मिली और कुल मांग बिक्री पेशकश के 67 गुने के पार चली गई। संस्थागत निवेशकों की श्रेणी में 222 गुना आवेदन मिले जबकि एचएनआई श्रेणी में 10 लाख रुपए तक और 10 लाख रुपए से ज्यादा निवेश करने वाले निवेशकों के मामले में आवेदन क्रमश- 51 गुना व 31 गुना मिले। वैयक्तिक निवेशकों के मामले में बोली 60,000 करोड़ रुपए के पार चली गई।

कोष प्रबंधन मंच सेंट्रिसिटी ने दो करोड़ डॉलर जुटाए

नई दिल्ली । डिजिटल कोष प्रबंधन मंच सेंट्रिसिटी ने शुरुआती वित्तपोषण चरण में दो करोड़ डॉलर यानी कि लगभग 168 करोड़ रुपये जुटाए हैं। इससे कंपनी का मूल्यांकन 12.5 करोड़ डॉलर हो गया है। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेंट्रिसिटी अपने परिचालन का विस्तार करने के लिए ताजा पूंजी का उपयोग करने की योजना बना रही है। कंपनी अपनी प्रौद्योगिकी विकास टीम को 75 से बढ़ाकर 150 से अधिक विशेषज्ञों तक दोगुना करने की योजना बना रही है, जो जनरेटिव एआई-लेड मॉड्यूल, इंश्योर-टेक और ब्रोकिंग-टेक मंच जैसे नवाचारों पर ध्यान केंद्रित करेगी। जनवरी, 2022 में स्थापित गुरुग्राम स्थित सेंट्रिसिटी ने सितंबर, 2022 में दो करोड़ डालर के मूल्यांकन पर 40 लाख डॉलर जुटाए।

सेमी और आईईएसए ने भारत में पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने किया समझौता

नई दिल्ली । वैश्विक सेमीकंडक्टर निकाय सेमी और उसके समकक्ष आईईएसए ने भारत में इस उद्योग के पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ावा देने के लिए एक रणनीतिक समझौते की घोषणा की है। एक संयुक्त बयान में कहा गया कि समझौते के तहत भारत इलेक्ट्रॉनिक्स और सेमीकंडक्टर एसोसिएशन (आईईएसए) सेमी का हिस्सा बन जाएगा। सेमी सेमीकॉन इंडिया सहित सेमीकॉन कार्यक्रमों का आयोजक है। सेमी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि यह साझेदारी सेमी को इस महत्वपूर्ण उभरते बाजार में एक मजबूत उपस्थिति बनाने में मदद करेगी और दोनों संगठनों को ठोस रणनीतियों की पहचान करने में सक्षम बनाएगी जो आपूर्ति श्रृंखला मजबूती बढ़ाने के लिए हमारी संयुक्त शक्तियों का लाभ उठाती हैं। हाल ही में जारी बयान में कहा गया कि सेमीकॉन इंडिया 2024 के दौरान समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते से संयुक्त नीति वकालत प्रयासों का मार्ग भी प्रशस्त होगा, जिसमें आईईएसए और सेमी उत्पाद विकास और विनिर्माण के लिए प्रोत्साहनों को बढ़ावा देने के लिए केंद्र और राज्य सरकारों के साथ मिलकर काम करेंगे, तथा उत्पादन से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) और डिजाइन से जुड़े प्रोत्साहन (डीएलआई) मॉडल जैसे प्रमुख कार्यक्रमों का लाभ उठाएंगे। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि भारत, सेमी और आईईएसए के लिए एक बड़ी जीत है। यह भारत को वैश्विक सेमीकंडक्टर का ऊर्जा केंद्र बनने की स्थिति में ले जाएगा, आर्थिक वृद्धि को गति देगा और नवाचार को बढ़ावा देगा।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर्स ने 10 लाख से कम में उतारी विंडसर ईवी

नई दिल्ली ।

पहले ही तगड़ी होड़ का मैदान बने देसी इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) बाजार में जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर ने नए सिरे से ताल ठोक दी। कंपनी ने अपनी नई स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) विंडसर 10 लाख रुपये से कम कीमत में उतार दी। अगर ग्राहक बैटरी को सर्विस के तौर पर अलग से लेते हैं तो उनके लिए विंडसर केवल 9.99 लाख रुपये में पड़ेगी। कीमत तय करने का कंपनी का यह नया मॉडल अपनाने वाले ग्राहकों को बाद में बैटरी इस्तेमाल करने के लिए पैसा देना होगा, जो 3.5 रुपये प्रति किलोमीटर के हिसाब से लिया जाएगा। हालांकि कंपनी ने शुरुआती एक साल तक विंडसर के लिए बिल्कुल मुफ्त सार्वजनिक चार्जिंग रखी है।

इसके साथ ही कंपनी इसके लिए तयशुदा बायबैक योजना लाई है और जब तक कार चलाई जाएगी तब तक बैटरी की वारंटी भी रहेगी। विंडसर 4.29 मीटर लंबी क्रॉसओवर एसयूवी है, जो टाटा मोटर्स द्वारा हाल ही में पेश की गई 4.31 मीटर लंबी कर्व इलेक्ट्रिक एसयूवी की तरह ही है। मगर कर्व ईवी की कीमत 17.49 लाख रुपये एक्स शोरूम है। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि भारत में 10 लाख रुपये तक कीमत की कार ज्यादा बिक रही हैं। हम कुछ नया करना चाहते हैं, हम देश में ईवी की पैठ बढ़ाना चाहते हैं। एमजी का यही मकसद है। हमें नहीं लगता कि महंगी गाड़ियां लाकर हम ऐसा कर पाएंगे। हमें 9 से 11 लाख रुपये की गाड़ी लानी होगी। ज्यादा गाड़ियां इसी कीमत की बिकती हैं, इसलिए हम यह गाड़ी लाए हैं।

रुपया बढ़त के साथ बंद

मुंबई ।

अमेरिकी डॉलर के मुकाबले गुरुवार को भारतीय रुपया दो पैसे की बढ़त के साथ ही 83.97 रुपये पर बंद हुआ। आज सुबह घरेलू शेयर बाजारों में सकारात्मक रुख और विदेशी पूंजी प्रवाह के बीच भारतीय रुपया शुरुआती सत्र में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले दो पैसे बढ़कर 83.97 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के सक्रिय हस्तक्षेप से रुपया एक निश्चित सीमा के भीतर स्थिर बना रहा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार किया। रुपया 83.97 प्रति डॉलर पर खुला और शुरुआती सौदों के बाद 83.97 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से दो पैसे की बढ़त है। रुपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसा गिरकर 83.99 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.07 फीसदी की बढ़त के साथ 101.75 अंक पर रहा।

सरकार 15 साल पुराने वाहन को कबाड़ करने के प्रावधान में करेगी संशोधन

नई दिल्ली । सरकार स्क्रैप पॉलिसी में बदलाव की तैयारी कर रही है। सरकार 15 साल पुराने कारों को कबाड़ करने के अनिवार्य प्रावधान में संसोधन करने पर सरकार विचार कर रही है। जिससे अब पुरानी कार को कबाड़ में बेचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हाल ही में सरकार ने जानकारी दी थी कि सिर्फ उम्र के आधार पर वाहनों को हटाने के बजाय, कठोर प्रदूषण परीक्षण मानकों और विश्वसनीय फिटनेस जांच पर विचार कर रही है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अभी उम्र के आधार पर गाड़ी को रोड से हटाया जा रहा है। इसका काफी विरोध हो रहा है। इसको देखते हुए अब नीति में बदलाव की योजना है। गौरतलब है कि 15 साल पुरानी गाड़ियों को कबाड़ में बदलने की पॉलिसी इस वक्त केवल दिल्ली-एनसीआर में लागू है। सुप्रीम कोर्ट ने साल 2018 में दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को कम करने और किसी भी संभावित दुर्घटना से बचने के उद्देश्य से यह फैसला सुनाया था। कोर्ट के फैसले के मुताबिक 15 साल से ज्यादा पुराने पेट्रोल वाहन और 10 साल से ज्यादा पुराने डीजल वाहन दिल्ली-एनसीआर की सड़कों पर नहीं चल सकते हैं।

शेयर बाजार भारी तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स पहली बार 83,000 , निफ्टी 25,000 के ऊपर निकला

मुम्बई ।

घरेलू शेयर बाजार गुरुवार को भारी उछाल के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही खरीददारी हावी रहने से आई है। अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों के बाद फेडरल रिजर्व के नीतिगत ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की संभावना मजबूत होने से भी बाजार में सकारात्मक माहौल रहा। इससे घरेलू इक्विटी में विदेशी निवेश बढ़ने की उम्मीदों से भी बाजार को बल मिला। आज कारोबार के दौरान एक समय 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 83,000 अंक से ऊपर पहुंच गया था पर बाद में फिसल गया। दिन भर के कारोबार के बाद सेंसेक्स अंत में 1439.55 अंक करीब 1.77 फीसदी तेजी के साथ 82,962.71 अंक पर बंद हुआ। वहीं इसी प्रकार 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 25,000 अंक के ऊपर निकल गया पर अंत में 470.45 अंक तकरीबन 1.89 फीसदी बढ़कर 25,388.90 अंक पर बंद हुआ। इस तेजी से बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का बाजार पूंजीकर 6.6 लाख करोड़ रुपये बढ़कर 467.36 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया। आज कारोबार के दौरान सेंसेक्स के जिन शेयरों में तेजी रही उनमें भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक और इन्फोसिस रहे। इसके साथ ही लार्सन एंड टुब्रो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और एसबीआई के शेयरों में भी बढ़त रही। वहीं बैंक निफ्टी, ऑटो, वित्तीय सेवाएं, स्वास्थ्य सेवा और तेल एवं गैस से जुड़े शेयरों में भी एक फीसदी तेजी आई। भारती एयरटेल का शेयर चार फीसदी तेजी के साथ आज सबसे ऊपर पहुंचा। पर पहुंच गया। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक के शेयरों में एक फीसदी से ज्यादा तेजी आई है जबकि रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर करीब दो फीसदी ऊपर आया। बाजार जानकारों के अनुसार अमेरिका में उपभोक्ता कीमतों में मामूली वृद्धि हुई लेकिन महंगाई में कुछ स्थिरता दिखी। वहीं सीएमई फेडवॉच के अनुसार फेड द्वारा ब्याज दरों में 25 आधार अंकों की कटौती की संभावना बढ़ी है। इससे इस घरेलू इक्विटी में विदेश निवेश बढ़ने की संभावनाएं तेज हुई है। इसी कारण बाजार उछला है। इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजार से मजबूत संकेतों के बीच ही सेंसेक्स और निफ्टी की बढ़त के साथ शुरुआत हुई। शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 81,840 पर आ गया, जो 317 अंकों की बढ़त के साथ कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50 ने 141 अंक की वृद्धि के साथ 25,059 पर कारोबार किया। वहीं दुनिया भर के बाजारों की बात करें तो जापान का निक्केई 225

शुरुआती ट्रेडिंग में 3 फीसदी उछला और ब्रॉड-बेस्ड टॉपिक्स में 2.48 फीसदी की बढ़त देखी गई। दक्षिण कोरिया में कोस्पी 1.2 फीसदी की बढ़त के साथ खुला, जबकि छोटे कैप वाला कोस्डाक 2.5 फीसदी ऊपर कारोबार करता दिखा। ऑस्ट्रेलिया के एसएंडपी, एएसएक्स 200 में 0.6 फीसदी की बढ़त देखी गई, वहीं हांगकांग के हैंग सेंग इंडेक्स फ्यूचर्स 17,194 पर ट्रेड करता दिखा। अमेरिका में रातभर व्यापक-आधारित एसएंडपी 500 में 1.07 फीसदी की बढ़त हुई, जबकि नेस्डेक कम्पो जिट ने 2.17 फीसदी की तेजी दिखाई। डाऊ जोंस इंडस्ट्रीयल इंडेक्स ने 0.31 फीसदी की मामूली बढ़त हासिल की।

पेटीएम के सीईओ शर्मा का प्लान.....

जल्द ही मुनाफे की दिशा में आगे बढ़ना

मुंबई ।

फिनटेक कंपनी पेटीएम के संस्थापक और सीईओ विजय शेखर शर्मा ने गुरुवार को घोषणा की कि कंपनी अब अपने मुख्य व्यवसाय, यानी पेमेंट्स और वित्तीय सेवाओं की क्रॉस-सेलिंग पर ध्यान केंद्रित करेगी। इसका उद्देश्य जल्द ही मुनाफे की दिशा में आगे बढ़ना है। पेटीएम की सालाना आम बैठक में शर्मा ने कहा, पिछले छह माह ने हमें कई अहम सबक सिखाए हैं। अब मैं पूरी तरह से आश्वस्त हूं कि हमने एक 'ग्राहक पहले' दृष्टिकोण अपनाया है, जिससे हमारा कारोबार हर नियम का पालन पूरी तरह से करता है, न केवल कागज पर बल्कि असलियत में भी। शर्मा ने कहा, कोर पेमेंट्स बिजनेस के प्रति हमारी प्रतिबद्धता के साथ, हम जल्द ही पीटीए (टैक्स के बाद मुनाफा) प्राप्त करने का लक्ष्य लेकर चल रहे हैं। शर्मा का यह बयान तब आया है जब भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने फरवरी में पेटीएम की पेमेंट्स बैंक शाखा को नए डिपॉजिट या वॉलेट में धनराशि जमा करने पर रोक लगाने का आदेश दिया था। यह रोक मार्च से लागू हुई। हालांकि, शर्मा ने साफ किया कि पेटीएम जल्द ही आरबीआई से पेमेंट्स एग्रीगेटर लाइसेंस के लिए आवेदन करेगा। कंपनी को हाल ही में भारत सरकार से विदेशी प्रत्यक्ष निवेश (एफडीआई) की मंजूरी भी मिल चुकी है, जो कंपनी के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। पेटीएम 40 मिलियन व्यापारियों को सेवाएं दे रहा है और इसका लक्ष्य 100 मिलियन तक पहुंचने का है। कंपनी की रणनीति में अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग कर वित्तीय सेवाएं जैसे लोन, बीमा, और म्युचुअल फंड्स प्रदान करना शामिल है, जिससे इसका बाजार विस्तार हो सके और वित्तीय समावेशन को बढ़ावा मिले। कंपनी के संस्थापक और सीईओ शर्मा ने इस दिशा में अपनी योजनाओं का जिक्र किया। कंपनी वित्तीय साल 25 की पहली तिमाही में 839 करोड़ रुपये के नुकसान की रिपोर्ट कर चुकी है। यह नुकसान मुख्य रूप से पेमेंट्स बैंक पर लगे प्रतिबंधों के प्रभाव से हुआ है। इसके अलावा, भुगतान और वित्तीय सेवाओं के कारोबार से होने वाली आय में भी कमी आई है, जिसके कारण कंपनी का कुल राजस्व साल-दर-साल 33.5 प्रतिशत घटकर 1,639.1 करोड़ रुपये रह गया।

कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल, पेट्रोल-डीजल स्थिर

नई दिल्ली । वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव देखा जा रहा है। ब्रेंट क्रूड का भाव 72 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 67 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने गुरुवार को पेट्रोल और डीजल के भाव में कोई बदलाव नहीं किया है। वैश्विक बाजार में हफ्ते के चौथे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.43 डॉलर की उछाल के साथ 71.04 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.36 डॉलर की बढ़त के साथ 66.67 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक राजधानी नई दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। कोलकाता में पेट्रोल का भाव 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

अमेरिका चीन की कई कंपनियों पर लगाएगा प्रतिबंध?

नई दिल्ली ।

यूएस की संसद में चीन के खिलाफ 28 बिल पेश किये जाएंगे। चीन की कम्युनिस्ट पार्टी पर राय देने के लिए बनाई गई संसद की सलेक्ट कमिटी ने इस संबंध में हाल ही में एक बयान जारी किया। अमेरिका की संसद में चीनी सप्ताह मनाया जा रहा है। इसे चीनी सप्ताह इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि पूरे सप्ताह चीन के खिलाफ संसद में चर्चा की जाएगी और अलग-अलग मुद्दों पर 28 बिल पेश किये जाएंगे। इसमें अधिकांश बिल चीन के व्यापार में बढ़ते वर्चस्व को दबान के लिए हैं। बिल में ट्रेड, इलेक्ट्रिक व्हीकल और फार्म ओनरशिप जैसे मुद्दे शामिल हैं। सेलेक्ट कमिटी की प्रेस रिलीज के अनुसार कमिटी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी बायोसिक्योर बिल से चीनी सप्ताह की शुरुआत करेंगे। इस बिल का मकसद अमेरिकी का लोगों का जेनेटिक डाटा बचाना और अमेरिकी कंपनियों को चीन की सरकार द्वारा समर्थिक बायोटेक्नोलॉजी कंपनियों की लूट-खसोट वाली नीतियों से बचाना है। बायोसिक्योर बिल के केंद्र में चीन की मिलिट्री कंपनी बीजीआई जीनोमिक्स, बायोटेक्नोलॉजी कंपनी वुक्सी ऐपटेक और वुक्सी बायोलॉजिक्स है। इन कंपनियों को कई फेडरल कॉन्ट्रेक्ट्स के लिए अयोग्य करार दिया जा सकता है। अे धिकारी ने कहा है कि इस बिल के साथ अमेरिका यह संदेश देना चाहता है कि चीन उनका जेनेटिक डाटा चुराता रहे और वह चुपचाप बैठे देखते रहें ऐसा नहीं होगा। सेलेक्ट कमिटी द्वारा प्रस्तावित बिल में हांग-कांग इकोनॉमिक एंड ट्रेड ऑफिस सर्टिफिकेशन एक्ट भी शामिल है। इससे यूएस के राष्ट्रपति को यह अधिकार मिल जाएगा कि वह यूएस में हांगकांग के वाणिज्य दूतावास को बंद करने का आदेश दे सकते हैं।

इलेक्ट्रिक कारों की कीमत 2 साल में पेट्रोल कारों के बराबर हो जाएगी: गडकरी

नई दिल्ली ।

राजमार्ग एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी कई बार इलेक्ट्रिक गाड़ियों की कीमत और इनकी बिक्री से जुड़े मुद्दे उठा चुके हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि इलेक्ट्रिक कारों की कीमत अगले 2 साल में पेट्रोल कारों के बराबर हो जाएगी। आम आदमी के लिए कीमत सस्ती होने से इनकी बिक्री में इजाफा होने लगेगा। नितिन गडकरी लंबे समय से इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के पक्षधर रहे हैं। 64वें अक्मा वार्षिक सत्र में बोलते हुए, गडकरी ने इलेक्ट्रिक वाहनों को आम जनता के लिए किफायती बनाने के उपायों पर जोर दिया। गडकरी ने एक दशक पहले प्रमुख ऑटोमोबाइल निर्माताओं की ओर से उन्हें मिले संदेह के बारे में भी विचार व्यक्त किए। गडकरी ने कहा, दस साल पहले, जब मैं ईवी के लिए जोर दे रहा था, तो भारत में ऑटोमोबाइल दिग्गजों ने मुझे गंभीरता से नहीं लिया। अब, वे मुझसे कहते हैं कि शायद वे मौका चूक गए हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि ईवी पर उद्योग का नजरिया काफी बदल गया है। अपने संबोधन के दौरान, मंत्री ने ऑटोमोबाइल कंपनियों से अपने कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रमों के माध्यम से सड़क सुरक्षा पहलों में योगदान देने का भी आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सड़क सुरक्षा उनके मंत्रालय के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बनी हुई है, क्योंकि खराब तरीके से डिजाइन और इंजीनियर की गई सड़कें भारत में दुर्घटनाओं के प्रमुख कारणों में से एक हैं। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने यह भी कहा कि अगर वित्त मंत्रालय या उद्योग मंत्रालय उन्हें लागू करने का फैसला करता है, तो वह इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) के लिए अतिरिक्त सब्सिडी या प्रोत्साहन देने के खिलाफ नहीं हैं। गडकरी ने कहा, ÷मैं इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए किसी भी अतिरिक्त सब्सिडी या प्रोत्साहन के खिलाफ नहीं हूं।

अगर वित्त मंत्री और उद्योग मंत्री अधिक देना चाहते हैं, तो मुझे कोई समस्या नहीं है।÷ बता दें कि देश में इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा देने के कई प्रयास किए जा रहे हैं. हालांकि, पेट्रोल गाड़ियों की तुलना में अधिक कीमत के वजह से लोगों के बीच इनकी स्वीकार्यता कम है। देश में ही इलेक्ट्रिक गाड़ियों और कंपोनेंट्स का निर्माण शुरू होने से इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर की कीमत तो कम हुई है लेकिन अब भी इलेक्ट्रिक कारें काफी महंगी हैं।

भारत में 2024 अल्काजार लॉन्च, शोरूम कीमत 14.99 लाख रुपये

नई दिल्ली ।

भारत में हुंडई मोटर इंडिया ने 2024 अल्काजार को लॉन्च कर दिया है। कंपनी ने इसकी बुकिंग पहले से ही शुरू कर दी है। इसकी शुरूआती एक्स-शोरूम कीमत 14.99 लाख रुपये तय की गई है। नई अल्काजार 70 से अधिक कनेक्टेड फीचर्स से लैस है। हुंडई अल्काजार कंपनी की 7 सीटर एसयूवी है। इसे दो इंजन ऑप्शन में लाया गया है। इतना ही नहीं गाड़ी के डोर के लॉक को आप अपने फोन या स्मार्टवॉच के जरिए अनलॉक कर सकते हैं। 2024 हुंडई अल्काजार को चार वैरिएंट एक्सीक्यूटिव, प्रेस्टीज, प्लेटिनम और सिग्नेचर में पेश किया गया है। इस एसयूवी में पहले की तरह 6-सीटर वैरिएंट के साथ-साथ 7-सीटर विकल्प को जारी रखा गया है।

नई अल्काजार के फ्रंट में कंपनी के लोगो के साथ एक कनेक्टेड एलईडी डीआरएल सेटअप दिया गया है। इसके नीचे एक बड़ा ग्रिल दिया गया है, जिसके दोनों तरफ बॉक्सी एलईडी हैडलाइट्स दी गई हैं। गाड़ी के बंपर पर सिल्वर स्किड प्लेट दी गई है, जो इसके लुक को दमदार बना देती है। इसकी वजह से इसके रूफ रेल्स और बेहतर दिखाई देते हैं। इसमें 18-इंच के अलॉय व्हील्स दिए गए हैं। नई अल्काजार में पुरानी की तुलना में टच-बेस्ड कंट्रोल पैनल के साथ डुअल जोन ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल दिया गया है।

इसमें इंफोटेनमेंट सिस्टम को इन-बिल्ट नेविगेशन के साथ लाया गया है। इसमें स्लीक एसी वेंट और क्रोम इंसर्ट के साथ ग्लॉस ब्लैक स्ट्रिप दिया गया है। केबिन के सभी कोनों पर सॉफ्ट टच पर मटेरियल के साथ लेदरेट अपहोल्स्ट्री दी गई है। नई अल्काजार में डुअल-स्क्रीन सेटअप दिया गया है, जिसमें 10.25-इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम और 10.25-इंच डिजिटल ड्राइवर डिस्प्ले शामिल है। इसमें डुअल-जोन क्लाइमेट कंट्रोल, एंड्रॉयड ऑटो और ऐपल कारप्ले, वायरलेस फोन चार्जर, पैनोरमिक सनरूफ और क्रूज़ कंट्रोल जैसे फीचर्स दिए गए हैं। आगे की सीटों के लिए 8-वे पावर एडजस्टमेंट भी दी गई है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का कच्चा इस्पात उत्पादन अगस्त में बढ़कर 23.16 लाख टन

नई दिल्ली ।

सज्जन जिंदल की अगुवाई वाली जेएसडब्ल्यू स्टील का अगस्त में एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन एक प्रतिशत बढ़कर 23.16 लाख टन हो गया है। पिछले साल इसी महीने में कंपनी का एकीकृत कच्चा इस्पात उत्पादन 22.86 लाख टन रहा था। जेएसडब्ल्यू ने गुरुवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एकीकृत कच्चे इस्पात उत्पादन में सालाना आधार पर एक प्रतिशत की वृद्धि हुई है। कंपनी ने अपने भारतीय परिचालन से अगस्त में 22.49 लाख टन इस्पात का उत्पादन किया। यह पिछले वर्ष इसी महीने के 22.15 लाख टन से दो प्रतिशत अधिक है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि भारतीय परिचालन में मासिक कच्चे इस्पात का उत्पादन पिछले वर्ष की तुलना में दो प्रतिशत अधिक रहा तथा क्षमता उपयोग 91 प्रतिशत रहाजेएसडब्ल्यू स्टील अमेरिका-ओहियो ने समीक्षाधीन माह में 0.67 लाख टन इस्पात का

उत्पादन किया, जो अगस्त, 2023 में उत्पादित 0.71 लाख टन की तुलना में कम है। जेएसडब्ल्यू स्टील 24 अरब डॉलर वाले जेएसडब्ल्यू समूह का प्रमुख कारोबार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने पैरालंपिक पदक विजेताओं से की मुलाकात, परमार ने लिया पीएम का आटोग्राफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को यहां अपने आवास पर भारत के पैरालंपियन खिलाड़ियों से मुलाकात की और उन्हें हाल ही में संपन्न पेरिस खेलों में रिकॉर्ड 29 पदक जीतने के लिए बधाई दी। खेल मंत्रालय द्वारा साझा किए गए 43 सेकेंड के वीडियो में प्रधानमंत्री को पैरालंपियन पदक विजेताओं को बधाई देते और उनसे बात करते हुए देखा जा सकता है।

बातचीत के दौरान खेल मंत्री मनसुख मांडविया और भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के प्रमुख देवेंद्र झाझडिया भी मौजूद थे। महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल (एसएच1) स्पर्धा में लगातार दूसरा पैरालंपिक स्वर्ण जीतने वाली निशानेबाज अवनि लेखरा और पैरालंपिक पदक जीते वाले भारत के पहले जूडो खिलाड़ी दृष्टिबाधित कपिल परमार उन लोगों में शामिल थे जिन्हें प्रधानमंत्री के साथ तस्वीर खिंचवाते देखा गया।

परमार को प्रधानमंत्री मोदी से अपने पदक पर हस्ताक्षर करवाते देखा गया। भारत ने पैरालंपिक खेलों में 29 पदक जीतकर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें अभूतपूर्व 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक शामिल हैं। पेरिस खेलों में भारत के 84 सदस्यीय दल ने हिस्सा लिया और तीन साल पहले तोक्यो खेलों में हासिल किए गए 19 पदकों के पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को पीछे छोड़ दिया।

इन खेलों के दौरान भारत ने पहली बार एथलेटिक्स की ट्रैक स्पर्धाओं में पदक जीतने के अलावा तीरंदाजी में पहली बार स्वर्ण (हरविंदर सिंह के माध्यम से) पदक जीता। स्वदेश लौटने पर पैरालंपियन खिलाड़ियों को सरकार द्वारा सम्मानित किया गया है और खेल मंत्री मांडविया ने स्वर्ण पदक विजेताओं को 75 लाख रुपए, रजत पदक विजेताओं को 50 लाख रुपए और कांस्य पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 30 लाख रुपये का पुरस्कार दिया। राकेश कुमार के साथ मिलकर कांस्य पदक जीतने वाली बिना हाथ वाली तीरंदाज शीतल देवी जैसे मिश्रित टीम स्पर्धाओं में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को 22.5 लाख रुपए की राशि मिली।

भारत ने कोरिया को हराकर एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में जीत की लय जारी रखी

हुलुनबुइर (चीन) (एजेंसी)। गत चैम्पियन भारत ने बृहस्पतिवार को यहां हीरो एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी हॉकी टूर्नामेंट में कोरिया को 3-1 से हराकर लगातार चौथी जीत दर्ज की। पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता भारत ने इससे पहले चीन को 3-0 से, जापान को 5-0 और पिछले साल की उप विजेता मलेशिया को 8-1 से मात दी।

कोरिया के खिलाफ भारत के लिए अराईजीत सिंह हुंडल ने आठवें मिनट में जबकि कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने नौवें और 43वें मिनट में दो गोल दागे। कोरिया की ओर से एकमात्र गोल जिहुन यांग ने 30वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर किया। पहले ही सेमीफाइनल में स्थान सुनिश्चित कर चुकी भारतीय टीम अब शनिवार को अपने अंतिम लीग मैच में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी।

छह टीमों के टूर्नामेंट के लीग चरण से शीर्ष चार टीमें शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी जबकि फाइनल रविवार को खेला जायेगा।

विराट कोहली इतिहास रचने से मात्र 58 रन दूर, बांग्लादेश के खिलाफ बनाएंगे नया कीर्तिमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उतरेगी तो सभी की निगाहें विराट कोहली पर होंगी। कोहली बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए तेंदुलकर को पीछे छोड़ सकते हैं। विराट कोहली को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27,000 रन पूरे करने के लिए 58 रनों की जरूरत है।

विराट कोहली और सचिन तेंदुलकर के बीच अक्सर तुलना की जाती रही है, हालांकि सचिन हमेशा कहते रहे हैं कि बाद वाले का कोई मुकाबला नहीं है। कोहली के नाम 80 अंतरराष्ट्रीय शतक हैं और शतकों की संख्या के मामले में वह तेंदुलकर (100) के बाद दूसरे स्थान पर हैं।

तेंदुलकर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे तेज 27,000 रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं जिन्होंने 623 पारी (226 टेस्ट पारी, 396 वनडे पारी, 1 टी20 पारी) में ऐसा किया है। कोहली ने अब तक सभी प्रारूपों में 591 पारियां खेली हैं और 26942 रन बनाए हैं। अगर कोहली अपनी अगली आठ पारियों में 58 रन और बना लेते हैं जो कि बहुत संभव है तो वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के 147 साल के इतिहास में 600 से कम पारियों में 27,000 रन बनाने वाले पहले क्रिकेटर बन जाएंगे।

अब तक तेंदुलकर के अलावा ऑस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग और श्रीलंका के कुमार संगकारा ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 27000 से ज़्यादा रन बनाए हैं। इस बीच, संभावना है कि एफ्रो-एशिया कप को फिर से शुरू किया जा सकता है। अगर यह टूर्नामेंट वाकई शुरू होता है, तो विराट कोहली के बाबर आजम के साथ गेंदबाजी करने या शाहीन अफरीदी के जसप्रीत बुमराह के साथ मिलकर गेंदबाजी करने की संभावना खुल सकती है।

आईपीएल 2025: दिल्ली कैपिटल्स में हो सकते हैं बड़े बदलाव, ऋषभ पंत के हाथ से जाएगी कप्तानी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2025 मेगा ऑक्शन इसी साल होना है, लेकिन उससे पहले हर फ्रेंचाइजी कितने खिलाड़ियों को रिलीज और रिटेन करेगी ये सबसे बड़ा सवाल है। वहीं दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान ऋषभ पंत अभी तक कई बार दमदार प्रदर्शन कर चुके हैं। लेकिन एक्सीडेंट के कारण से वह आईपीएल 2023 में नहीं खेल पाए थे। इसके बाद जब 2024 सीजन में उन्होंने कमबैक किया तो खुद को साबित किया। लेकिन उनका प्रदर्शन कुछ खास नहीं रहा। दिल्ली ने पिछले सीजन में 14 मैच खेले थे और 7 जीते थे। अब टीम बड़े बदलाव की ओर से बढ़ रही है।

बता दें कि, रिपोर्ट्स की मानें तो पंत को कप्तानी से हटाया जा सकता है। लेकिन इसको लेकर किसी

भी तरह की आधिकारिक जानकारी उपलब्ध नहीं है। मेगा ऑक्शन से पहले दिल्ली में सबसे बड़ा बदलाव कोचिंग स्टाफ को लेकर हुआ। रिकी पोंटिंग ने टीम का साथ छोड़ दिया है। अब खिलाड़ियों को रिलीज करने की बारी है। टीम मेगा ऑक्शन से पहले प्लेयर्स की रिलीज लिस्ट जारी करेगी। इसमें कई बड़े प्लेयर्स का नाम भी शामिल हो सकात है। टीम के पास रिटेन करने का ऑप्शन कम है। इसको लेकर अभी तक संख्या का पता नहीं चल सका है।

अगर पंत की बात करें तो उन्होंने 2016 में आईपीएल डेब्यू किया था। पंत के लिए पहला सीजन कुछ खास नहीं रहा था। लेकिन उन्होंने 2018 में कमाल का प्रदर्शन किया था। ऋषभ पंत ने 2018 के 14 मैचों में 684 रन बनाए थे। उनको टीम ने आईपीएल 2021 में कप्तान बना दिया था। लेकिन अब उनसे कप्तान छिन सकती है। आज तक ने एक रिपोर्ट के हवाले से लिखा है कि पंत की कप्तानी छिन सकती है। टीम के मालिक पिछले सीजन के प्रदर्शन से खुश नहीं थे।

आयरलैंड की महिला टीम ने इंग्लैंड को रोमांचक मुकाबले में हराया

बेलफास्ट (एजेंसी)। एमी मैगुएर (पांच विकेट) की घातक गेंदबाजी के बाद कप्तान गैबी लुईस (72) रनों की शानदार अर्धशतक पारी की बदौलत आयरलैंड की महिला टीम ने इंग्लैंड को रोमांचक एकदिवसीय मुकाबले में हराया दिया है।

154 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी आयरलैंड की सलामी जोड़ी एमी हंटर और कप्तान गैबी लुईस ने अच्छी शुरुआत की। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 51 रन जोड़े। सातवें ओवर में फ्रेया केम्प ने एमी हंडर (18) को आउट कर इंग्लैंड को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद मैडी विलियर्स ने ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (11) को आउट कर दिया।

लीह पॉल (22) रन बनाकर आउट हुई। इस दौरान कप्तान गैबी लुईस एक छोर पर डटी रही। नौवें ओवर में 137 के स्कोर पर कप्तान गैबी लुईस के (72) के आउट होने के बाद लगातार तीन और विकेट गिरने से आयरलैंड की टीम संकट में आ गई थी। हालांकि रेबेका स्टोकेल (नाबाद तीन) तथा अलाना डाल्जेल (नाबाद चार) टीम को जीत की ओर ले गई और आयरलैंड ने 22 ओवर में सात विकेट पर 155 रन बनाकर मुकाबला तीन विकेट से जीत लिया।

इंग्लैंड ने इस हार के बावजूद तीन एकदिवसीय मैचों की श्रृंखला 2-1 से जीत ली है। इंग्लैंड की ओर से मैडी विलियर्स ने तीन विकेट लिये। लॉरेन फाइलर को दो विकेट मिले। फ्रेया केम्प ने एक बल्लेबाज को आउट किया। पिछले मैच 275 रनों से करारी हार झेलने के बाद बुधवार की रात तीसरे एकदिवसीय मुकाबले में इंग्लैंड ने टॉस जीतने के बाद पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया।

इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 22 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज एम्मा लैम्ब का विकेट गवां दिया। इसके बाद टैमी ब्यूमोंट ने होली आर्मिटेज के साथ दूसरे विकेट के लिये 43 रन जोड़े। होली आर्मिटेज ने (15), पैगे स्कोल्फील्ड (21) और रयाना मैकडोनाल्ड-गे (17) रन बनाकर आउट हुई। टैमी ब्यूमोंट ने (52) रनों की पारी खेली। आयरलैंड के गेंदबाजी कहर के आगे इंग्लैंड के छह बल्लेबाज दहाई आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके।

हेड के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने पहले टी20 में इंग्लैंड को हराया

साउथैम्पटन। ट्रैविस हेड के शानदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया ने यहां पहले ही टी20 क्रिकेट मुकाबले में इंग्लैंड को 28 रनों से हरा दिया। इस मैच में कंगारुओं की जीत के हीरो ट्रैविस हेड रहे। हेड ने 23 गेंदों में 59 रन बनाये। इस जीत के साथ ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है, वहीं आज सुबह इंग्लैंड ने टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया का बल्लेबाजी के लिए बुलाया। ऑस्ट्रेलिया के ट्रैविस हेड 59 और मैथ्यू शॉर्ट ने 41 रन बनाकर पावरप्ले के छह ओवरों में ही 86 रन बना दिये। हेड के पावरप्ले में आउट होने के बाद शॉर्ट भी आउट हो गए। इसके बाद जोश इंग्लिस ने 37 रन बनाये। वहीं बाकि बल्लेबाज रन नहीं बना पाये। इस प्रकार ऑस्ट्रेलियाई टीम 19.3 ओवरों में 179 रन पर ही सिमट गयी। वहीं इंग्लैंड की ओर से रीस टोप्ले और सैम कुर्रन ने भी अच्छी गेंदबाजी करते हुए टीम को वापसी कराने के प्रयास किये। टोप्ले ने तीन विकेट जबकि कुर्रन को दो विकेट मिले पर मेजबान टीम के बल्लेबाज किसी भी अवसर का लाभ नहीं उठा सके। लियाम लिविंग्स्टन ही 37 रन बना पाये। ही कप्तान फिल सॉल्ट ने 20 रन बनाए। इस प्रकार इंग्लैंड की पूरी टीम 19.2 ओवरों में ही 151 रन पर आउट हो गयी। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए इंग्लैंड के बल्लेबाजों को कोई अवसर नहीं दिया। वहीं जेसन बेहरनडॉर्फ ने 3 विकेट जबकि मार्कस स्टोइनिस और एश्टन एगर ने 2-2 विकेट लिए।

बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयारी कर रहे शुभमन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के युवा सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल आजकल बांग्लादेश के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन की तैयारी कर रहे हैं। शुभमन ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि आप किसी भी अंतरराष्ट्रीय टीम को कम आंक सकते हैं। इसलिए हम बांग्लादेश के खिलाफ पूरी ताकत से खेलेंगे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ महीनों में बांग्लादेश ने जिस तरह की क्रिकेट खेली है, खासकर पाकिस्तान में उससे पता चलता है कि अब वह एक अच्छी टीम बन गयी है। इसलिए ये मुकाबला अच्छा होगा। इस बल्लेबाज ने कहा है कि उन्होंने पांच टेस्ट मैचों की सीरीज पहली बार इंग्लैंड के खिलाफ खेली थी जिसके अनुभवों से उनकी बल्लेबाजी बेहतर हुई। इंग्लैंड की उसी सीरीज से उन्हें लाभ हुआ और उनका आत्मविश्वास भी बढ़ा। शुभमन ने कहा कि तब इंग्लैंड के खिलाफ पहला टेस्ट हारने के बाद हम पर दवाब था। उस समय कई अनुभवी खिलाड़ी खेलने के लिए उपलब्ध नहीं थे। ऐसे में उन्हें बेहतर खेलकर अपने को साबित करने का अवसर मिला। शुभमन ने कहा कि मैंने पहले कभी 5 टेस्ट मैच नहीं खेले थे, इसलिए उस सीरीज का अनुभव एक अच्छा अनुभव और रोमांचक था। शुभमन ने 2021 में गाबा में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 91 रन की साहसिक पारी खेलकर सभी का ध्यान खींचा था। वहीं इंग्लैंड दौरे, आईसीसी विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल और 2022 और 2024 की शुरुआत के बीच दक्षिण अफ्रीका दौरे के दौरान खराब प्रदर्शन के बाद उनपर सवाल उठने लगे थे। वहीं शुभमन ने इस साल 6 टेस्ट की 11 पारियों में 49.80 की औसत से 498 रन बनाए हैं, जिसमें 2 शतक और 2 अर्द्धशतक शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 110 है। गिल ने 25 टेस्ट मैचों की 46 पारियों में 35.52 की औसत से 1,492 रन बनाए हैं, जिसमें 4 शतक और 6 अर्द्धशतक शामिल हैं।

आईओए प्रमुख पीटी उषा ने खेल संहिता के उल्लंघन की शिकायत के बाद कोषाध्यक्ष को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने देश में खेल की इस शीर्ष खेल संस्था के कोषाध्यक्ष सहदेव यादव के चुनाव से राष्ट्रीय खेल संहिता के उल्लंघन की शिकायत के बाद उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया है। उषा ने 10 तारीख को लिखे पत्र में यादव को 24 सितंबर तक जवाब देने को कहा है।

यादव को पत्र में उषा ने लिखा, ''मैं आपका ध्यान उस औपचारिक शिकायत की ओर आकर्षित करने के लिए आपको पत्र लिख रही हूं जो पिछले चुनाव में कोषाध्यक्ष पद पर चुनाव लड़ने की आपकी पात्रता से जुड़ी है और हाल में भारतीय ओलंपिक संघ को मिली है।'' पत्र में कहा गया, ''शिकायतकर्ता ने माननीय उच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया है, जो शिकायतकर्ता के अनुसार चुनाव लड़ने की आपकी पात्रता के बारे में

चिंता पैदा करता है।''

पत्र की एक प्रति खेल मंत्री मनसुख मांडविया और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के एनओसी (राष्ट्रीय ओलंपिक समिति) संबंध विभाग के सहायक निदेशक जेरोमी पोइवी को भी भेजी गई है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि यादव और कुछ अन्य अधिकारी अपने पदों पर बने हुए हैं जो खेल संहिता के तहत आयु और कार्यकाल की सीमा संबंधी नियमों का उल्लंघन है। खेल संहिता के तहत विभिन्न पद पर लगातार 12 साल रहने के बाद पद छोड़ना पड़ता है।

यादव इससे पहले भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के सचिव थे और 15 साल तक उसके साथ जुड़े रहे। शिकायतकर्ता ने भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ के उपाध्यक्ष अजय पटेल, भारतीय वुशु महासंघ के भूपिंदर सिंह बाजवा और भारतीय नौकायन महासंघ की अध्यक्ष राजलक्ष्मी सिंह देव सहित आईओए के अन्य सदस्यों के खिलाफ भी खेल संहिता का पालन नहीं करने पर इसी तरह की चिंता जताई है।

आईओए ने शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखी है। शिकायकर्ता ने इन लोगों को तुरंत आईओए की कार्यकारी समिति से हटाने की मांग की है। इसके बाद आईओए में चल रही खींचतान और तेज हो गई है।

अब से हर दो साल में खेला जाएगा अंडर-19 महिला टी20 एशिया कप : जय शाह

कुआलालंपुर। एशियाई क्रिकेट परिषद (एसीसी) के अध्यक्ष जय शाह ने कहा है कि अब से हर दो साल में महिला अंडर-19 टी20 एशिया कप खेला जाएगा। जय शाह के अनुसार इस नये टूर्नामेंट की शुरुआत से युवाओं को टी20 विश्वकप की तैयारी का भी अवसर मिलेगा। शाह की अध्यक्षता में एसीसी के कार्यकारी बोर्ड की बैठक में इस टूर्नामेंट के आयोजन का फैसला हुआ। इस टूर्नामेंट को इसलिए शुरु किया जा रहा है जिससे कि एशिया की उभरती महिला क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिस्पर्धा का अनुभव मिल सके। इससे ये आईसीसी टूर्नामेंट में भी बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगी। इस फैसले से महिला क्रिकेट को भी आगे बढ़ने में सहायता मिलेगी। शाह ने कहा, ''महिला अंडर-19 एशिया कप की शुरुआत एक बड़ी उपलब्धि है जो युवा महिला क्रिकेटरों को अपने कौशल को विकसित करने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एक एक विश्वस्तर का मंच उपलब्ध करायेगी। यह नई शुरुआत एशिया में महिला क्रिकेट के भविष्य को बेहतर करने के लिए शुरु की गयी है और हमें उम्मीद है कि इससे एशिया में महिला क्रिकेट के विकास में तेजी आयेगी।

प्रतिभाओं की कमी के कारण पीछे जा रहा पाक क्रिकेट : गांगुली

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कहा है अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उसके खराब होते प्रदर्शन का कारण मैच विजेता खिलाड़ियों का टीम में नहीं होना है। गांगुली ने कहा कि पाक में अच्छी प्रतिभाएं नहीं उभर रही हैं, इसी कारण उसे मैच विजेता खिलाड़ी नहीं मिले रहे। उन्होंने कहा कि मैच विजेताओं को तैयार करने के लिए पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) को हालात का सही तरीके से आंकलन करना होगा। गांगुली का ताजा बयान हाल में बांग्लादेश के खिलाफ टेस्ट सीरीज में टीम के खराब प्रदर्शन को लेकर सामने आया है। पाक को अपने घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ 2 टेस्ट मैचों की सीरीज में करारी हार का सामना करना पड़ा था। इसके अलावा आईसीसी टूर्नामेंटों में भी उसका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है। एकदिवसीय विश्वकप में पाक टीम लीग चरण से ही बाहर हो गयी थी। इसके अलावा टी20 विश्व कप के दौरान भी वह शुरु में ही बाहर हो गयी। यहां तक कि उसे अमेरिका जैसे नई टीम ने तक हरा दिया। इसी को लेकर गांगुली ने कहा कि पाक में प्रतिभाएं नजर नहीं आ रही हैं जबकि एक समय पा पाक से जावेद मियांदाद, वसीम, वकार, सईद अनवर, मोहम्मद यूसुफ और यूनिस खान जैसे क्रिकेटर निकले हैं पर वर्तमान में टीम मैच नहीं जीत रही जबकि हर पीढ़ी को जीतने के लिए शीर्ष स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करना होता है। साथ ही कहा कि टीम को फिर से बेहतर बनाने के प्रयास पाक बोर्ड पीसीबी को ही करने होंगे।

भारतीय टीम के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन पर हैं नाहिद ही नजरें

ढाका। बांग्लादेश के युवा तेज गेंदबाज नाहिद राणा ने पाकिस्तान के खिलाफ अपनी टीम की टेस्ट सीरीज में 2-0 की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं अब नाहिद का लक्ष्य भारत के खिलाफ 19 सितंबर से होने वाली टेस्ट सीरीज में बेहतर प्रदर्शन करना है। इस तेज गेंदबाज से भारतीय बल्लेबाजों को सतर्क रहना होगा क्योंकि ये 150 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने के साथ ही अपनी लाइन व लैंथ भी बेहतर बनाये रखता है। पाकिस्तान के खिलाफ रावलपिंडी में दूसरे टेस्ट मैच में नाहिद ने 44 रन देकर चार विकेट लिए थे। इस क्रिकेटर ने सोशल मीडिय में अपना एक वीडियो साझा कर कहा है कि वह भारतीय टीम के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार है। इसमें उसने कहा, 'निश्चित रूप से हम भारतीय टीम के खिलाफ सीरीज के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं। हमने अभ्यास शुरू कर दिया है। हम जितना अधिक अभ्यास करेंगे उतना अधिक हम मैच के लिए तैयार रहेंगे। उन्होंने कहा, 'भारत की टीम हालांकि बहुत अच्छी है पर से भी सही है कि मैच के दिन जो टीम अच्छा खेलेगी जीत उसे ही मिलेगी। इस तेज गेंदबाज ने इस साल मार्च में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने के बाद से ही 150 किमी प्रति घंटे से अधिक की रफ्तार से गेंदबाजी की थी। पाक के खिलाफ भी उसका प्रदर्शन प्रभावी रहा था। नाहिद ने कहा, 'पाकिस्तान दौरे पर जाने से पहले मैंने कहा था कि मैं अपने देश के लिए कुछ हासिल करना चाहता हूं और मुझे खुशी है कि मुझसे जो उम्मीद की गई थी उसे मैंने पूरा किया। भारत और बांग्लादेश के बीच पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेन्नई में खेला जाएगा, यहां की पिच पर उछाल मिलने की उम्मीद है। ऐसे में जब राणा ने कहा कि वह फिर से 152 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी करने के लिए तैयार हैं। साथ ही कहा कि मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार हूं। साथ ही कहा कि तेजी को लेकर आप हमेशा कुछ नहीं कह सकत हैं। यह लय पर निर्भर होता है।

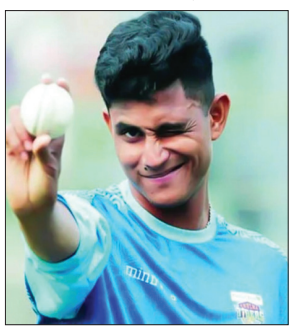

अफगानिस्तान ने द. अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए टीम की घोषणा की, राशिद खान की वापसी

काबुल (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 17 सदस्यीय टीम की घोषणा की है। हशमतुल्लाह शाहिदी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ऐतिहासिक द्विपक्षीय वनडे सीरीज में अफगानिस्तान की कप्तानी करेंगे, जबकि रहमत शाह को उप-कप्तानी सौंपी गई है। इस टीम में राशिद खान की भी वापसी हुई है, जो चोट के कारण आयरलैंड के खिलाफ पिछली वनडे सीरीज से बाहर हो गए थे।

गुलबदीन नैब और मोहम्मद नबी भी अनुभवी खिलाड़ियों वाली इस टीम में शामिल हैं। हालांकि कुछ जाने-माने खिलाड़ियों की चोटों ने दो युवा दावेदारों को शामिल करने का रास्ता साफ कर दिया है। अफगानिस्तान की टीम में इब्राहिम जाद्रान की सेवाएं नहीं होंगी, जो टखने की मोच के कारण बाहर हो गए थे और मुजीब उर रहमान, जो अभी तक दाएं हाथ की मोच से उबर नहीं पाए हैं। आईसीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार इससे हाल ही में घरेलू लिस्ट ए प्रतियोगिता में प्रभावित करने वाले प्रतिभाशाली दाएं हाथ के शीर्ष क्रम के बल्लेबाज अब्दुल मलिक और सात टी20आई खेलने वाले शीर्ष क्रम के अन्य विकल्प दरवेश रसूली के लिए रास्ते खुल गए हैं।

एसीबी के सीईओ नसीब खान ने कहा, 'हमारे क्रिकेट इतिहास में पहली बार दक्षिण अफ्रीका की मेजबानी करना अफगानिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। वे एक बेहतरीन टीम हैं और उनके खिलाफ वनडे सीरीज खेलना कुछ ऐसा है जिसे लेकर हम सभी उत्साहित हैं। हमारी टीम ने पिछले दो-तीन सालों में आईसीसी इवेंट्स में शानदार प्रदर्शन किया है और हम अपनी टीम को द्विपक्षीय क्रिकेट में भी उतना ही प्रतिस्पर्धी बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।'

यह वनडे सीरीज आईसीसी टूर्नामेंट के बाहर अफगानिस्तान और दक्षिण अफ्रीका के बीच पहली मुलाकात होगी जिसके तीनों मैच शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में एसीबी द्वारा आयोजित किए जाएंगे। दोनों टीमें पिछली बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2024 में भिड़ी थीं जहां प्रोटियाज ने सेमीफाइनल में अफगानिस्तान को आसानी से हरा दिया था।

अफगानिस्तान टीम: हशमतुल्लाह शाहिदी (कप्तान), रहमत शाह (उपकप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज (विकेटकीपर), इकराम अलिखिल (विकेटकीपर), अब्दुल मलिक, रियाज हसन, दरविश रसूली, अजमतुल्लाह उमरजई, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नैब, राशिद खान, नांग्याल खरोती, अल्लाह मोहम्मद गजनफर, फजल हक फारूकी, बिलाल सामी, नवीद जादरान और फरीद अहमद मलिक।

सनातन युवा संगठन के कार्यकर्ताओं द्वारा श्री गणेश की आरती की गई

सुरत भुमि, सूरत। नवागांव अश्वनी पार्क सोसायटी सनातन युवा संगठन ओम कैलाशपति हर हर महादेव मंदिर के प्रांगण में गणेश उत्सव का आयोजन किया गया है। इस अवसर पर विजय पाण्डेय, राजु श्रीवास्तव, श्री छठ मानव सेवा चेरीटेबल ट्रस्ट के प्रमुख गुलजारीलाल उपाध्याय और धर्मात्मा त्रिपाठी, सुजीत उपाध्याय तथा अन्य मित्र गणों के सहयोग से बड़े धूमधाम से पूजा अर्चना की जा रही है ।

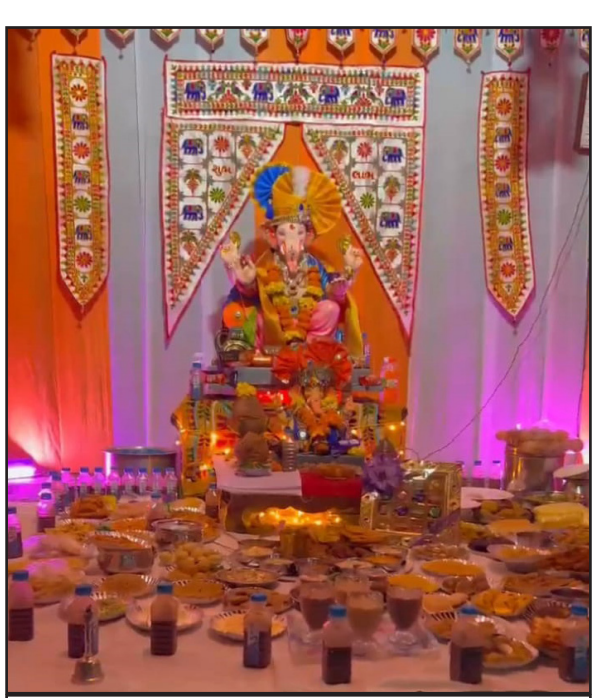

सुरत भुमि, सूरत। अश्विनीकुमार क्षेत्र में स्थित रामबाग सोसायटी विभाग 2मे स्थानीय गणेश भक्त महिलाओं ने गणेश जी को छप्पन भोग का प्रसाद अर्पन कर सभी लोगों के स्वास्थ्य की मनोकामना की। छप्पन भोग प्रसादी तैयार करने के लिए गणेश भक्त कल्पना गुर्जर, काजल वेकरिया,छाया दुधतिया,चेतना बेन, ख्याति बेन,दया बेन,सोनल बेन, रेखा बेन, शोभना बेन एवं अन्य महीलाओं ने मेहनत की।

सूरत नगर निगम द्वारा नव निर्मित 'पीएम आवास योजना' के 390 मकानों का केंद्रीय जलविद्युत मंत्री सीआर पाटिल कम्प्यूटरीकृत ड्रा निकाला

सूरत।

अडाजण के संजीवकुमार ऑडिटोरियम में सूरत नगर निगम द्वारा 77.08 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित ईडब्ल्यूएस-54 (सुमन आदर्श) और ईडब्ल्यूएस-51 (सुमन नुपुर) के 744 मकानों का केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सीआर पाटिल ने उद्घाटन किया। 390 मकानों का कम्प्यूटरीकृत ड्रा निकाला गया। इस अवसर पर शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पंशेरिया और वन, पर्यावरण राज्य मंत्री मुकेशभाई पटेल विशेष रूप से उपस्थित थे।

जल संसाधन मंत्री ने ड्रो में नया घर पाने के लिए लाभार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि जहां हर व्यक्ति अपने घर का सपना देखता है, वहीं पीएम आवास योजना सूरत जैसे शहर में गरीब और मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए वरदान साबित हो रही है, जो संकट से जूझ रहे हैं। तीव्र विकास से. पीएम आवास योजना के तहत सभी जरूरतमंद नागरिकों को जाति-पाति के भेदभाव के बिना पारदर्शी तरीके से आवास उपलब्ध कराना केंद्र-राज्य सरकार और सूरत नगर निगम का लक्ष्य रहा है। एक समय सूरत में 28 प्रतिशत से अधिक स्लम (झुग्गी) क्षेत्र था, जो अब घटकर मात्र 7.50 प्रतिशत रह गया है, हम सभी के संयुक्त प्रयासों से निकट भविष्य में सूरत शहर शून्य स्लम शहर बन जाएगा। मंत्री ने कहा कि स्लम मुक्त सूरत के निर्माण का यह मॉडल मनपा द्वारा जीरो स्लम की दिशा में प्रगति के साथ-साथ गुजरात सहित पूरे देश के लिए एक उदाहरण स्थापित करेगा।

प्रधानमंत्री की दूरदर्शी सोच के साथ, राज्य सरकार बुनियादी ढांचे के विकास के साथ-साथ आम लोगों की भलाई को भी प्राथमिकता दे रही है। मंत्री ने आगे कहा कि सूरत शहर में रहने वाले गरीब और मध्यम वर्ग के परिवार। जो देश के सबसे तेजी से बढ़ते शहरों में से एक है, वहां आवास योजनाओं के माध्यम से आवास सुविधाएं भी मिल रही हैं। सूरत शहर पहले एक गंदा शहर था, लेकिन आज सूरत स्वच्छता की मिसाल कायम कर रहा है और पूरे देश में स्वच्छता में पहले स्थान पर है। उन्होंने कहा कि स्वच्छता का लोगों के स्वास्थ्य पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जल शक्ति मंत्रालय द्वारा देश के सभी राज्यों में जल भंडारण, जल संरक्षण संबंधी कार्यों के लिए 'कैच द रेन, व्हेयर इट फॉल्स-व्हेन इट फॉल्स...' लागू किया गया है, वहीं हाल ही में लॉन्च किया गया च वैश्विक जल समस्या के समाधान के लिए दक्षिण गुजरात में 'जलसंचय जनभागीदारी अभियान' योजना देशवासियों को जल भंडारण के माध्यम से भूमिगत जल स्तर बढ़ाने की नई आशा देगी।

महापौर दक्षेशभाई मवानी ने कहा कि जैसे-जैसे सूरत विकास की तीव्र गति से बढ़ रहा है, राज्य-केंद्र सरकार और सूरत नगर निगम आवासीय सुविधाओं, बुनियादी ढांचे सहित अधिक से अधिक जन कल्याण सुविधाएं प्रदान कर रहे हैं। पीएम आवास योजना ने लोगों के घर के सपने को साकार किया है. प्रधानमंत्री आवास योजना लागू करने में सूरत राज्य में सबसे आगे है। विश्व पटल पर हीरे और वस्त्रों के लिए मशहूर सूरत तेजी से स्वच्छता से जीरो स्लम की ओर बढ़ रहा है, जीरो स्लम अवधारणा की नींव में पीएम आवास योजना का भी अहम योगदान है।

राष्ट्रीय पोषण माह: रोजाना के आहार में बादाम की महत्वपूर्ण भूमिका को समझें!

सूरत ।

एक संतुलित और पौष्टिक आहार पूरे स्वास्थ्य के लिए बेहद जरूरी है। सही पोषण और खानपान की सेहतमंद आदतों के महत्व को समझने के लिए हम 1 से 30 सितंबर को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाते हैं। पोषण संबंधी समस्याओं को सुनने, लोगों तथा कम्युनिटीज को जागरूक करने, सशक्त बनाने तथा खानपान के बेहतर विकल्पों को चुनने के लिए एक मंच प्रदान करता है। सही स्वास्थ्य पाने के लिए पौष्टिकता से भरपूर खाद्य पदार्थ जैसे बादाम, साबुत अनाज, सब्जियां, फल, फलियां और इस प्रकार की अन्य चीजों से युक्त संतुलित आहार लेना बेहद जरूरी है। बादाम में 15 आवश्यक पोषक तत्व होते हैं, जिनमें विटामिन ई, मैग्नीशियम, प्रोटीन, जिंक, पोटेशियम और आहारीय फाइबर शामिल हैं, जो संपूर्ण स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करते हैं।

इंडियन कौंसिल ऑफ मेडिकल रिसर्च (आईसीएमआर)-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूट्रीशन (एनआईएन) ने हाल ही में भारतीयों के लिए डाइटरी गाइडलाइन जारी की है। इसमें बताया गया है कि अच्छी सेहत के लिए रोजाना बादाम को नट के रूप में लेना चाहिए। रोजाना बादाम खाने से सेहत को कई सारे फायदे होते हैं जैसे वजन नियंत्रित रहता है, दिल की सेहत बेहतर होती है और ब्लड शुगर का स्तर नियंत्रित रहता है।

अपनी फिटनेस की दिनचर्या और आदतों के लिए जानी जाने वाली बॉलीवुड अभिनेत्री सोहा अली खान कहती हैं, च्मैं सोच-समझकर सेहतमंद खानपान की आदतों को पालन करती हूं। साथ ही अपने पोषण पर भी नजर रखने की कोशिश करती हूं, क्योंकि अच्छी सेहत बनाए रखने के लिए ये बेहद जरूरी है। मुझे हर मील में पौष्टिकता से भरपूर फूड्स को शामिल कर खाने का पहले ही प्लान करना पसंद है। यदि मैं शूटिंग या इंटरव्यू के लिए बाहर जाती हूं तो मैं अपने साथ हेल्दी स्नैक्स रखना नहीं भूलती जैसे बादाम का बॉक्स। इससे मुझे लंबे समय तक भूख नहीं लगती और मुट्ठीभर बादाम खाने से मुझे अपने रोजाना के पोषण को पूरा करने में भी मदद मिलती है। तो इस राष्ट्रीय पोषण माह में आइए हम खाने की स्वस्थ आदतें अपनाने का संकल्प लें और अपने खाने में बादाम जैसे पौष्टिक फूड्स को शामिल करने की कोशिश करें।ज

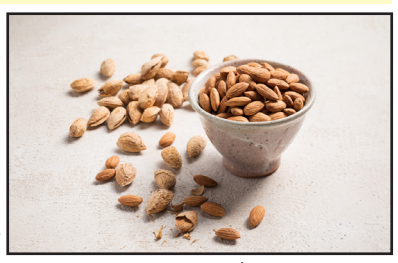

राष्ट्रीय पोषण माह पर अपनी बात रखते हुए, रीजनल हेड-डायटेटिक्स, मैक्स हेल्थकेयर, दिल्ली की रितिका समद्दर कहती हैं, "आसानी से मिलने और तेज रफ्तार जीवनशैली की वजह से जंक और एचएफएसएस (हाई फैट, शुगर, सॉल्ट) जैसी चीजें खाने से डायबिटीज, हाई ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियां और मोटापा जैसी जीवनशैली संबंधी समस्याएं बढ़ती जा रही हैं। इसलिए, मैं हमेशा ही सतर्कता से खानपान का विकल्प चुनने की सलाह देती हूं। साथ ही रोजमर्रा की जिंदगी में आवश्यक ढेर सारे पोषक तत्वों से युक्त संतुलित आहार जैसे सेहतमंद विकल्पों का रुख करने को कहती हैं।"

अल्जाइमर और दिल के दौरे के बीच आनुवंशिक संबंध

चिकित्सा अनुसंधान में हालिया प्रगति ने एक अभूतपूर्व खोज का खुलासा किया है जो अल्जाइमर रोग (एडी) और हृदय रोग, विशेष रूप से दिल के दौरे के बीच संबंध को मजबूत करता है। वैश्विक शोधकर्ताओं से जुड़े एक सहयोगात्मक अध्ययन ने साझा आनुवंशिक कारकों की पहचान की है जो दोनों स्थितियों का कारण बन सकते हैं, जिससे संभावित नई उपचार रणनीतियों का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। सेंटर फॉर प्रिसिजन हेल्थ के शोधकर्ताओं द्वारा किया गया अध्ययन, कोरोनरी धमनी रोग (सीएडी) और अल्जाइमर जैसी स्थितियों में आनुवंशिक ओवरलैप की भूमिका पर जोर देता है। निष्कर्षों से पता चलता है कि हृदय रोग में योगदान देने वाले वही आनुवंशिक कारक, जैसे उच्च कोलेस्ट्रॉल स्तर और सूजन, अल्जाइमर रोग के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह आनुवांशिक लिंक यह बता सकता है कि क्यों हृदय रोग वाले रोगियों को अक्सर त्वरित संज्ञानात्मक गिरावट का अनुभव होता है, और क्यों सीएडी की उपस्थिति से मनोभ्रंश का खतरा 26% बढ़ जाता है।

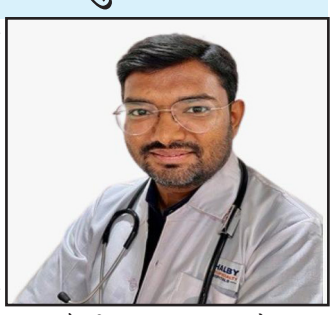

अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों की एक टीम ने पाया कि हृदय संबंधी कई स्थितियाँ, जैसे कोरोनरी धमनी रोग (आपके हृदय की धमनियों में प्लाक का निर्माण), एनजाइना (सीने में दर्द), और दिल का दौरा, अल्जाइमर रोग के साथ मानक आनुवंशिक संबंध साझा करती हैं। ये साझा जीन, विशेष रूप से आपका शरीर वसा (जैसे कोलेस्ट्रॉल और ट्राइग्लिसराइड्स) को कैसे संभालता है, से संबंधित हैं, सुझाव देते हैं कि हृदय की समस्याओं से ग्रस्त लोगों में अल्जाइमर विकसित होने की अधिक संभावना हो सकती है।

शैल्बी हॉस्पिटल, सुरत के प्रमुख न्यूरोजिस्ट डॉ. चेतन मनियाने इस खोज के महत्व पर टिप्पणी की: "यह शोध हमें जैविक तंत्र में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है जो हमारे समय की दो सबसे चुनौतीपूर्ण बीमारियों को जोड़ता है। बीच साझा आनुवंशिक आधार को समझना अल्जाइमर और हृदय रोग हमें नए चिकित्सीय दृष्टिकोणों का पता लगाने की अनुमति देते हैं जो दोनों स्थितियों को एक साथ लक्षित करते हैं, जिससे लाखों रोगियों के परिणामों में संभावित सुधार होता है।"

संगिनी वेदांता, वीआईपी रोड़

नंदिनी-1, वेसू

डाबर अपने 'आदर्श पाठशाला' सीएसआर प्रोजेक्ट के तहत दादरा नगर हवेली की प्राथमिक गुजराती मीडियम सालकरपाड़ा स्कूल को करेगी अपग्रेड

सिलवासा।

डाबर इंडिया लिमिटेड ने आज एक नई पहल के लॉन्च के साथ अपने सीएसआर (कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व) प्रोग्राम को सिलवासा (दादरा और नगर हवेली) में विस्तारित करने की घोषणा की है। इस पहल के तहत छात्रों को लर्निंग का अनुकूल माहौल प्रदान करने और शिक्षा के मानकों में सुधार लाने के लिए शहर के प्राथमिक गुजराती मीडियम सालकरपाड़ा शैली स्कूल की बुनियादी सुविधाओं को अपग्रेड किया जाएगा।

डाबर, स्कूल के इन्फ्रास्ट्रक्चर में सुधार लाने के लिए निवेश करेगी। जिसके तहत नए क्लासरूम बनाए जाएंगे, मौजूदा सुविधाओं को रेनोवेट किया जाएगा, शौचालयों में सुधार लाया जाएगा, दिव्यांग छात्रों के लिए अनुकूल सुविधाएं, पेयजल सुविधाएं, और अन्य ज़रूरी शैक्षणिक संसाधन उपलब्ध कराएंगे जाएंगे। डाबर अपने आदर्श पाठशाला स्कूल सपोर्ट प्रोग्राम के तहत यह निवेश करेगी, जिसका उद्देश्य छात्रों के लिए लर्निंग का अनुकूल माहौल बनाकर समाज के उज्जवल भविष्य को सुनिश्चित करना है। इसके अलावा स्कूल में एक रेनवॉटर हार्वेस्टिंग (वर्षा जल संचय)सुविधा भी बनाई जाएगी।

''डाबर अपने संचालन क्षेत्रों में लोगों के कल्याण की दिशा में प्रयासरत है। सीएसआर परियोजना के माध्यम से सरकारी स्कूल की बुनियादी सुविधाओं में सुधार लाना, सिर्फ स्कूल की इमारत में नहीं बल्कि बच्चों के भविष्य में निवेश है। इन स्कूलों में सुधार लाकर हम शिक्षा स्तर को बेहतर बनाना चाहते हैं; हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं इन बच्चों को अपने सपने साकार करने के लिए सही अवसर मिलें। हमारी यह पहल समाज को एकजुट कर उम्मीद की नई किरण ला सकती है। हम ऐसे माहौल का निर्माण करना चाहते हैं, जहां बच्चे अकादमिक और व्यक्तिगत रूप से प्रगति के पथ पर बढ़ सकें।' डाबर इंडिया लिमिटेड में सीएसआर हैड श्री ब्यास आनंद ने कहा।

इस अवसर पर स्कूल में आयेजित कार्यक्रम का नेतृत्व डाबर इंडिया लिमिटेड में सिलवासा युनिट हैड श्री अरविंद सिंह ने किया। उनके साथ स्कूल के प्रधानाध्यापक, अध्यापक एवं छात्र तथा डाबर इंडिया लिमिटेड में सिलवासा युनिट एचआर हैड संदीप एकनाथ लोखंडे भी मौजूद रहे।

'हमारा मानना है कि हर बच्चे को सुरक्षित एवं प्रेरक माहौल में अच्छी गुणवत्ता की शिक्षा मिलनी चाहिए। प्राथमिक गुजराती मीडियम सालकरपाड़ा शैली स्कूल में सुधार लाकर हम न सिर्फ इन बच्चों के भविष्य में बल्कि समाज के भविष्य में निवेश कर रहे हैं। यह परियोजना सीएसआर प्रयासों के माध्यम से समाज पर सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने के हमारे प्रयासों को दर्शाती है।' श्री आनंद ने कहा।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)